

सरगुजा ओलम्पिक 'खिलाड़ियों का महाकुंभ'-विष्णुदेव साय

पीजी कॉलेज मैदान में खेल प्रतिभाओं के सपनों को नई उड़ान देने प्रतियोगिता का शुभारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित सरगुजा ओलम्पिक 2026 का भव्य आगाज अम्बिकापुर स्थित पीजी कॉलेज मैदान में हुआ। तीन दिवसीय इस संभाग स्तरीय खेल महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया। उद्घाटन अवसर पर पूरे संभाग से आए खिलाड़ियों, जनप्रतिनिधियों और खेल प्रेमियों की बड़ी उपस्थिति ने आयोजन को उत्सव का रूप दे दिया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के सपनों को नई उड़ान देने का मंच है। उन्होंने इसे 'खिलाड़ियों का महाकुंभ' बताते हुए कहा कि सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, कोरिया, सूरजपुर और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले से आए 2 हजार 190 से अधिक खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें 1 हजार 44 महिला और 1 हजार 146 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं, जो 17 वर्ष से कम एवं 17 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर ओलम्पिक की सफलता के बाद सरगुजा में भी इस तरह के आयोजन की मांग उठी थी,

चावल-चना की हेराफेरी, समूह अध्यक्ष, सचिव व विक्रेता के विरुद्ध केस दर्ज
छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। सीतापुर थाना क्षेत्र के शासकीय उचित मूल्य दुकान पेटला में चावल और चना भौतिक सत्यापन में कम पाए जाने पर सहायक खाद्य अधिकारी की लिखित शिकायत पर पुलिस ने समूह की अध्यक्ष सहित तीन लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है। सहायक खाद्य अधिकारी, सीतापुर ने सीतापुर थाने में लिखित प्रतिवेदन प्रस्तुत करके पुलिस को अवगत कराया है कि माता स्वयं सहायता समूह पेटला द्वारा पूर्व में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान पेटला आई.डी. क्रमांक 392003027 के खाद्यान्न का भौतिक सत्यापन उनके द्वारा किया था। खाद्यान्न के ऑनलाइन स्टॉक एवं भौतिक सत्यापन में चावल 335.17 क्विंटल एवं चना 3.08 क्विंटल कम होना पाया गया। तत्संबंध में समूह के अध्यक्ष रामकली, सचिव सुनिया, विक्रेता जयमल एवम् को नोटिस दिया गया। नोटिस का जवाब नहीं देने पर शासकीय उचित मूल्य दुकान पेटला में खाद्यान्न की कालाबाजारी एवं शासकीय सम्पत्ति, मूल्य 13 लाख रुपये से अधिक के गबन की रिपोर्ट के लिए प्रतिवेदन पत्र थाने में प्रस्तुत किया गया था। पुलिस ने 335.17 क्विंटल चावल, वर्तमान बाजार मूल्य 1299755.0947 रुपये और चना 3.08 क्विंटल वर्तमान बाजार मूल्य 13751.0604 रुपये कम पाने के मामले में तीनों आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3, 7 व भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(5) का मामला दर्ज कर लिया है।



जिसे सरकार ने प्राथमिकता दी। विकासखंड और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं के बाद अब संभाग स्तर पर यह आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में राज्य में पारित विभिन्न महत्वपूर्ण विधेयकों की भी जानकारी दी, जिनमें भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने तथा परीक्षाओं में नकल और पेपर लीक रोकने के लिए

मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को भेंट किया वॉलीबॉल



और अपनी प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल में हार-जीत स्वाभाविक है, लेकिन हार से निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। जीत मिलने पर भी रुकना नहीं है, बल्कि अगले लक्ष्य के लिए और अधिक मेहनत करना है। खिलाड़ियों ने भी राज्य सरकार के इस प्रयास की सराहना की। इनका कहना था कि सरगुजा ओलम्पिक के माध्यम से उन्हें न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिला है, बल्कि एक नई पहचान और भविष्य के लिए नई उम्मीद भी जगी है।

कड़े प्रावधान शामिल हैं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के अलावा सरगुजा कमिश्नर नरेंद्र दुगा, आईजी दीपक झा, कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

स्वर्ण पदक विजेताओं को मिलेगा 3 करोड़

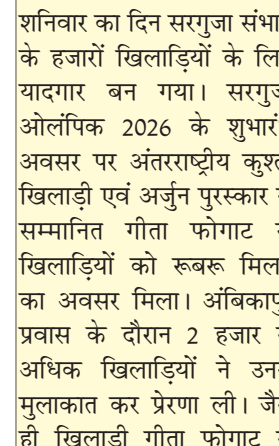
खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ओलम्पिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को 21 लाख रुपये, स्वर्ण पदक विजेताओं को 3 करोड़, रजत

पदक विजेताओं को 2 करोड़ और कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही 'खेलो इंडिया' के तहत स्टेडियम निर्माण और खेल अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। बस्तर और सरगुजा ओलम्पिक के लिए 10 करोड़ रुपये का बजट भी निर्धारित किया गया है।

खिलाड़ियों के साथ-साथ सरकार-नेताम

केबिनेट मंत्री राम विचार नेताम ने खिलाड़ियों से कहा अपनी खेल कौशल से परिवार, समाज, प्रदेश व देश का नाम रोशन करें। मंत्री श्री राजेश

हार से न हों निराश, खुद पर रखें विश्वास-गीता फोगाट



शनिवार का दिन सरगुजा संभाग के हजारों खिलाड़ियों के लिए यादगार बन गया। सरगुजा ओलम्पिक 2026 के शुभारंभ अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी एवं अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित गीता फोगाट से खिलाड़ियों को रूबरू मिलने का अवसर मिला। अम्बिकापुर प्रवास के दौरान 2 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने उनसे मुलाकात कर प्रेरणा ली। जैसे ही खिलाड़ी गीता फोगाट से मिले, पूरे मैदान में उत्साह का माहौल बन गया। खिलाड़ियों के चेहरों पर खुशी झलकने लगी और 'गीता दीदी जिंदाबाद' के नारों से वातावरण गुंज उठा। यह पल खिलाड़ियों के लिए बेहद प्रेरणादायक और यादगार बन गया। खिलाड़ियों से गीता फोगाट ने कहा कि सरगुजा की धरती खेल प्रतिभाओं के लिए अत्यंत अनुकूल है। उन्होंने खिलाड़ियों को सफलता का मूल मंत्र देते हुए कहा 'हार से बिल्कुल निराश न हों, खुद पर विश्वास रखें और अंतिम क्षण तक अपने लक्ष्य के लिए जुटे रहें, सफलता अवश्य मिलेगी।' उन्होंने आगे कहा कि जीवन के किसी भी क्षेत्र चाहे खेल हो, नौकरी, परीक्षा या व्यवसाय में आगे बढ़ने के लिए रुचि, जुनून और कड़ी मेहनत आवश्यक है। धैर्य, नशे से दूरी और सकारात्मक सोच सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने और पूरी लगन से अभ्यास करने की सलाह दी। सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर, जशपुर, कोरिया और एमसीबी जिलों से आए खिलाड़ियों ने गीता फोगाट को अपना रोल मॉडल बताते हुए कहा कि उनके संघर्ष और मेहनत से प्रेरणा मिलती है। खिलाड़ियों ने कहा कि 'गीता दीदी' ने यह साबित किया है कि कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। गीता ने कहा हार से घबराने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना ही सफलता का रास्ता है। उन्होंने अभिभावकों से बेटीयों को समान अवसर देने की अपील की।



अग्रवाल ने कहा छत्तीसगढ़ फुटबॉल, वॉलीबॉल, हॉकी स्टेडियम, गांधी सरकार बस्तर से लेकर सरगुजा हॉकी, कुश्ती, दौड़, स्टेडियम और मल्टीपरपज तक खेल प्रतिभाओं को मंच बर्डमिंटन और रस्साकशी होल में व्यापक तैयारियां देने का कार्य कर रही है। सहित 12 खेल विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। आयोजन के लिए शहर के विभिन्न खेल आवश्यक सुविधाएं कबड्डी, खो-खो, तीरंदाजी, स्थलों पीजी कॉलेज ग्राउंड, सुनिश्चित की गई हैं।

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्रों की जमीन पर बाहरी लोगों की नजर

आदिवासी बहुल क्षेत्र में अपना अस्तित्व बचाने कर रहे संघर्ष

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। आदिवासी बहुल क्षेत्र में आदिवासी समाज खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रहा है, खासकर पहाड़ी कोरवा जनजाति, जिन्हें राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र के रूप में पहचान मिली है। इनके सामने आज भी अपने ही अस्तित्व को बचाने की चुनौती खड़ी है। पीढ़ियों से अपनी जमीन पर जीवन यापन करने वाले इन लोगों की जमीनों बाहरी लोगों द्वारा लगातार हड़पी जा रही हैं, अवैध अतिक्रमण और जबरन कब्जे की घटनाएं धमने का नाम नहीं ले रही हैं। चार पीढ़ियों से जिन जमीनों पर पहाड़ी कोरवा परिवारों ने मेहनत कर अपना घर बसाया, अपने बच्चों का पालन पोषण और शिक्षा-दीक्षा का आधार बनाया, आज वही जमीन उनसे छीनी जा रही है दुःख की बात यह है कि कई मामलों में जमीन विवाद कोर्ट में वर्षों से लंबित हैं, लेकिन न्याय की प्रक्रिया इतनी धीमी है कि पीढ़ियों को राहत नहीं मिल पा रही है। बलरामपुर से महज 10 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत तरकाखाड़ में हालात बेहद



चिंताजनक हैं, जहां खुलेआम पहाड़ी कोरवा की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। सरकार हर साल कोरवा एवं आदिवासी विकास के नाम पर करोड़ों का बजट पेश करती है, योजनाओं की लंबी सूची गिनाई जाती है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। विकास केवल कागजों तक सीमित है, जबकि असल जिंदगी में आदिवासी और कोरवा समाज आज भी मूलभूत सुविधाओं और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। समाज के वरिष्ठ लोगों का कहना है कि पहाड़ी कोरवा समाज के लोग चार पीढ़ियों से पूर्वजों के द्वारा जंगल में उपजाऊ लायक बनाई गई जमीन में जीवनयापन कर रहे हैं, इसे बाहरी व्यक्तियों के द्वारा छीना जा रहा है। उच्च अधिकारियों द्वारा बोला जाता है कि उन लोगों से फेसला कर लो और आधे जमीन का बंटवारा कर लो। कोरवा समाज के लोगों ने कहा कि पीढ़ियों से पूर्वजों के काबिज जमीन को वे किसि और को कैसे दे सकते हैं, जो उनकी जीविका का हिस्सा है। वे पुराओं की जमीन का बंटवारा करने के पक्षधर नहीं हैं। इनका कहना है कि अगर सरकार और

प्रशासन उनके लिए कोई पहल नहीं करती है, तो हम आगे अपने स्तर पर लड़ाई लड़ेंगे।
आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा जमीनी स्तर पर की जाए-बसंत कुजूर
सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष बसंत कुजूर ने कहा कि पहाड़ी कोरवा दशकों से इस क्षेत्र में बसे हुए हैं और अपनी मेहनत से जमीन को उपजाऊ बनाकर जीवन-यापन कर रहे हैं, लेकिन बाहरी लोग इनकी जमीन पर जबरन कब्जा कर रहे हैं। यह सिर्फ एक गांव की समस्या नहीं है, पूरे जिले में पहाड़ी कोरवा समाज इस पीड़ा से गुजर रहे हैं। उन्होंने शासन-प्रशासन से अपील की है, कि वर्षों से भूमि पर काबिज परिवारों को कानूनी दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएं। उनके वन अधिकार पट्टे बनाए जाएं और भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले अपनी जमीन और पहचान दोनों खो देंगे। आदिवासी समाज की पीड़ा को सिर्फ मंचों और घोषणाओं तक सीमित न रखा जाए, बल्कि जमीन पर उतरकर उनके अधिकारों की रक्षा की जाए। अगर जमीन ही इनसे छिने गई, तो उनके पास कुछ भी शेष नहीं रहेगा। इनकी पहचान, भविष्य, और जीने का सहारा छिनने के कगार पा आ जाएगा। ऐसे में इनके साथ कोई अग्रिय घटना घटती है तो पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

चोरी की 06 दोपहिया वाहन के साथ 02 गिरफ्तार

एक आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी गंभीर धाराओं के तहत मामला हुआ है दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। दुपहिया वाहन चोरी के मामलों में कोतवाली थाना पुलिस ने 02 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार करके 06 दोपहिया वाहन जप्त किया है। जल्द किए गए वाहनों की कोमत लगभग 03 लाख रुपये बताई जा रही है। गिरफ्त में आए एक आरोपी चंदन गुप्ता पूर्व में भी आपराधिक प्रकरण में शामिल रहा है। जानकारी के मुताबिक राधा देवी निवासी मायापुर ने 19 मार्च को थाना कोतवाली में रिपोर्ट कराया था कि 16 मार्च को वह अपनी स्कूटी एक्टिवा क्रमांक सीजी 15 डीएक्स 7675 से घर के पास काम से गई थी। स्कूटी को खड़ा करके काम का बातचीत करने गई, वापस आई तो स्कूटी नहीं था। मामले में पुलिस ने धारा 305(बी) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने पुलिस टीम को दोपहिया वाहन चोरी की आप दिन हो रही घटनाओं को लेकर अभियान चलाकर कार्रवाई करने एवं प्रकरण के आरोपियों को गिरफ्तार करने एवं चोरी गयी दोपहिया वाहन को बरामद करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में थाना कोतवाली पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करके आसपास के भवनों में लगे सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन किया और अज्ञात आरोपी के तलाश में लगी थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चंदन गुप्ता अपने साथी जीवन कैलाश के साथ समलाया मंदिर के पास मोटरसायकल चोरी करने के फिराक में लगा है। सूचना पर पुलिस टीम ने चंदन गुप्ता पिता



कन्हैया गुप्ता 22 साल, निवासी घुटरापारा, सनराइज स्कूल के बगल की गली व जीवन कैलाश उर्फ बुट पिता बंशु आंमो 27 साल निवासी ग्राम धंधापुर महुआपारा, थाना राजपुर को कब्जे में लिया। पूछताछ में ये गोल-मोल जवाब दे रहे थे। आरोपियों से सख्ती से पूछताछ करने पर इन्होंने शहर एवं आसपास से मोटरसायकल व स्कूटी चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों ने रिपोर्टकर्ता महिला का स्कूटी, होण्डा ड्रीम मोटरसायकल दर्रापारा तालाब के पास से, टीवीएस स्पोर्ट

मोटरसायकल मंडी रोड सूरजपुर से, स्पेलेन्डर प्लस मोटरसायकल जिला चिकित्सालय अम्बिकापुर से, एक स्पेलेन्डर प्लस मोटरसायकल बिलासपुर चौक अम्बिकापुर से, सफेद रंग का स्कूटी महामाया मंदिर तालाब के पास से चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों के निशानदेही पर घुटरापारा नहर रोड नर्सरी के पास से 02 स्कूटी व 04 मोटरसायकल पुलिस ने बरामद कर लिया है। आरोपी चंदन गुप्ता के विरुद्ध थाना अम्बिकापुर में धारा 307, 34 भादसं व धारा

457, 380 भादसं का प्रकरण पंजीबद्ध है, जिस पर चालानी कार्रवाई हुई है। आरोपियों का कृत्य धारा 111 बीएनएस का पाए जाने पर प्रकरण में जोड़ा गया है। मामले में अग्रिम जांच, विवेचना जारी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, थाना प्रभारी मण्डीपुर उप निरीक्षक सीपी तिवारी, उप निरीक्षक केके यादव, आरक्षक सतेंद्र दुबे, रामशंकर यादव, नितिन सिन्हा, अमित विश्वकर्मा, विवेक राय, उमाशंकर साहू, मंदूलाल गुप्ता, शिव राजवाड़े सक्रिय रहे।

मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं सूती बचासीर, नासूर, भण्टर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं ओंठों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का प्रायुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
समय - सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 8 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अम्बिकापुर
दवाखाना

TOOTH FAIRY'S
DENTAL & SKIN CARE
इसका प्रस्ताव:-
1. छोटे बच्चे का दाढ़ से सही फिल्टर करने है।
2. इंसानों से फिल्टर दाढ़ लफड़े करने है।
3. जन्मजात दाढ़ी दाढ़ी और बड़े का दाढ़ लफड़े से तन्मिक के क्लिप करने है।
4. दाढ़ एवं दाढ़ का प्रचार होता है।
Skin Treatment, Dental Treatment, Dr. Pragyaj Aggarwal

C
M
Y
K

मनमानी खुदाई से सड़कों का भविष्य सिलफिली में 3 अप्रैल को सजेगा खाटू श्याम जी का दरबार

छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 किनारे तथा ग्रामीण सड़कों के आसपास इन दिनों मनमाने ढंग से खुदाई कर पाइपलाइन और केबल बिछाने का कार्य जारी है। बिना समुचित योजना और संबंधित विभागों की अनुमति के हो रहे इन कार्यों ने न केवल वर्तमान में आवागमन को प्रभावित किया है, बल्कि भविष्य में सड़कों के विस्तार और चौड़ीकरण को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार विभिन्न टेलीकॉम कंपनियों, गैस पाइपलाइन एजेंसियां तथा जल जीवन मिशन के तहत कार्यरत ठेकेदार अपने-अपने स्तर पर सड़क किनारे गड्ढे खोदकर पाइपलाइन और केबल बिछा रहे हैं। कई स्थानों पर तो बिना किसी पूर्व सूचना या सुरक्षा इंजायन के सड़क के किनारे लंबी-लंबी खुदाई कर दी जा रही है, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। इसके



अलावा विद्युत विस्तार के नाम पर बिजली के खंभे भी बिना दीर्घकालिक योजना के खड़े कर दिए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि इन कार्यों में न तो विभागीय समन्वय नजर आता

है और न ही भविष्य की जरूरतों का ध्यान रखा जा रहा है। परिणाम स्वरूप जहां एक ओर सड़कों की संरचना कमजोर हो रही है, वहीं दूसरी ओर आने वाले समय में सड़क चौड़ीकरण या पुल-पुलियों के निर्माण के दौरान बड़ी बाधाएं उत्पन्न होंगी। ज्ञात हो कि जब भी सड़क चौड़ीकरण या उन्नयन का कार्य शुरू होता है, तब पहले से बिना योजना के डाली गई पाइपलाइन, केबल और खंभों का सर्वे कराया जाता है। इसके बाद इन्हें शिफ्ट करने के लिए सड़क परिवहन मंत्रालय या लोक निर्माण विभाग को संबंधित विभागों को भारी-भरकम राशि का भुगतान करना पड़ता है। यानी एक ही कार्य पर दोबारा खर्च कर शासकीय धन का अनावश्यक उपयोग किया जाता है। एनएच 43 पर ऐसे कई उदाहरण सामने आ चुके हैं, जहां सड़क किनारे की गई अव्यवस्थित खुदाई ने निर्माण कार्यों में देरी और लागत बढ़ाने

का कारण बनी है। बावजूद इसके संबंधित एजेंसियां बिना किसी ठोस मास्टर प्लान के कार्यों को अंजाम दे रही हैं। जनप्रतिनिधियों और नागरिकों का मानना है कि यदि विद्युत विभाग, जल जीवन मिशन, टेलीकॉम कंपनियां और अन्य संबंधित एजेंसियां आपसी समन्वय और दीर्घकालिक योजना बनाकर कार्य करें, तो इस समस्या से काफी हद तक बचा जा सकता है। एकीकृत योजना के तहत कार्य होने से न केवल शासकीय धन की बचत होगी, बल्कि सड़कों का निर्माण भी व्यवस्थित, सुरक्षित और टिकाऊ हो सकेगा। जरूरी है कि प्रशासन इस ओर गंभीरता से ध्यान दे और बिना अनुमति हो रही खुदाई पर सख्ती से रोक लगाए। साथ ही सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य सुनिश्चित करे ताकि भविष्य में जनता को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।



छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। श्री श्याम सेवा समिति सिलफिली द्वारा आगामी 3 अप्रैल को सिलफिली हाई स्कूल ग्राउंड में पंचम श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। श्री श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष शुभम अग्रवाल ने बताया कि श्याम रस की अलख जगाने के लिए श्याम जगत के भजन प्रवाहकों को आमंत्रित किया गया है, जिसमें मुख्य रूप से परविंदर पलक फतेहाबाद से, मोनू दुआ चंडीगढ़ से चैतन्य दाधीच जयपुर से बाबा श्याम की



अलख जगाएंगे। कीर्तन में सूरजपुर के पप्पू महाराज का सानिध्य प्राप्त होगा। पंचम श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव को भव्य रूप से करने के लिए आयोजन समिति के सदस्य जोर-जोर से लगे हुए हैं। बाबा श्याम के भव्य दरबार हेतु उड़ीसा के दरबार सेवकों को आमंत्रित किया गया है, जो बाबा श्याम का आकर्षक दरबार बनाएंगे और अलौकिक श्रृंगार हेतु विभिन्न राज्यों के फूलों की मंगवाने की तैयारी की जा रही है। कीर्तन में श्याम रसोई, इत्र



वर्षा, छप्पन भोग की व्यवस्था की गई है। आयोजन की तैयारियों के बीच कीर्तन को सफल बनाने हेतु समिति के संरक्षक ठाकुर राजवाड़े, धीरज विश्वास, अध्यक्ष शुभम अग्रवाल, नरेंद्र यादव, अमन अग्रवाल, दीपेश राय, शुभम गोयल, कृष्णा गुप्ता, अभिषेक कुशवाहा, राजकुमार बैरागी, शशिकांत भगत, नीरज अग्रवाल, रोहित कुशवाहा, धीरज अग्रवाल, दीपक कुशवाहा, सूरज कुशवाहा, साहिल, बिट्टू, पीयूष कुशवाहा व अन्य सक्रिय हैं।

सेवा सहकारी समिति मर्यादित सनौद में प्रधानमंत्री अन्न दाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत दलहन तिलहन की खरीदी प्रारंभ

छ.ग. फ्रंटलाइन बालोद। राज्य शासन के मंशानुसूचक एवं कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में गुरु विकासखण्ड के सेवा सहकारी समिति मर्यादित सनौद में प्रधान मंत्री अन्न दाता आय संरक्षण अभियान (पी.एम.आशा) के तहत रबी विपणन वर्ष 2026-27 में प्राईस सर्पोट स्कीन अंतर्गत समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों की खरीदी प्रारंभ की गई। योजनांतर्गत खरीदी का शुभारंभ विभागीय अधिकारियों एवं क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों के साथ-साथ कृषकों की उपस्थिति में किया गया। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि सेवा सहकारी समिति सनौद में शुभारंभ के दिन 08 कृषकों द्वारा कुल 140 क्विंटल चना का विक्रय किया गया। जिसमें गणेश राम साहू पलारी ने 07 क्विंटल, रेखराम साहू पलारी ने 27 क्विंटल, उग्रसेन सिन्हा भिरई ने 14.50 क्विंटल, टेकराम साहू पलारी ने 15.50 क्विंटल प्रीतम साहू पलारी ने 18 क्विंटल, कान्ति साहू पलारी ने 15 क्विंटल खन्हन साहू, पलारी 26 क्विंटल, टम्पेश्वर साहू बोहारा ने 17 क्विंटल विक्रय किया। खरीदी शुभारंभ के अवसर पर पूर्व विधायक संजारी बालोद श्री

प्रीतम साहू, जिला पंचायत सभापति कृषि स्थायी समिति श्री तेजराम साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत गुरु श्रीमती सुनीता संजय साहू, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत गुरु श्री दुर्गानंद साहू, सभापति कृषि स्थायी समिति जनपद पंचायत गुरु श्री नरेश साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित कृषकों को संबोधित किया गया। उपस्थित कृषकों को उप संचालक कृषि बालोद के द्वारा अधिक से अधिक मात्रा में सहकारी समितियों के माध्यम से चना, मसूर एवं सरसों फसल का पंजीयन एवं विक्रय करने हेतु प्रेरित किया गया। खरीदी कार्य की सुचारू रूप से प्रारंभ करने में श्री सूर्य नारायण ताम्रकर सहायक संचालक कृषि, श्री महेश मार्गिया अनुविभागीय अधिकारी कृषि, श्री सतोष सिंह एन.सी.सी.एफ. श्री विनोद शर्मा नोडल अधिकारी एन.डब्ल्यू. सी. श्री सी. एल. ठाकुर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी गुरु, श्री कुलदीप देवानंन ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, श्री नंदकुमार साहू प्राथिक अधिकारी सनौद के साथ साथ समिति प्रबंधक श्री चन्द्रशेखर साहू का विशेष सहयोग रहा।

कोल इंडिया ने कैसर इलाज का पूरा खर्च उठाने का लिया फैसला

छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। देश की प्रमुख कोयला कंपनी सीआईएल ने अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए एक बेहद राहतभरी और मानवीय पहल करते हुए कैसर उपचार को लेकर बड़ा और अहम निर्णय लिया है। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 487 वीं बैठक में इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दी गई, जिसके बाद 20 मार्च को आधिकारिक आदेश जारी कर इसे लागू कर दिया गया। इस फैसले के तहत अब कैसर जैसी गंभीर और महंगी बीमारी के इलाज का पूरा खर्च कंपनी खुद वहन करेगी। इसके लिए मुंबई स्थित देश के प्रतिष्ठित टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल को अधिकृत संस्थान घोषित किया

हालांकि कंपनी ने इस सुविधा के लिए कुछ जरूरी शर्तें भी निर्धारित की हैं। लाभ तभी मिलेगा जब— इलाज टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल द्वारा प्रमाणित हो, उपचार स्वीकृत ऑन्कोलॉजी प्रोटोकॉल अंतर्गत किया गया हो। यह सुविधा सिर्फ वर्तमान कर्मचारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवानिवृत्त कर्मियों और अन्य पात्र लाभार्थियों को भी इसका लाभ मिलेगा। यह योजना मेडिकल अटेंडेंस रूल्स और सीपीआरएमएसई योजनाओं के अंतर्गत आने वाले सभी हितग्राहियों पर लागू होगी सीआईएल का यह निर्णय न केवल कर्मचारियों के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि यह

न्यायालय नायब तहसीलदार भैयाथान जिला सूरजपुर (छग0) // ईशतहार //
आम जनता ग्राम-दनौलीखुर्द, प0ह0न0-03, रा0फ0म0 भैयाथान, तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण मंजीत कुमार आ0 मोहन राम वगै0 उम्र लगभग-38 वर्ष जाति पनिका निवासी ग्राम कुसमुसी तहसील भैयाथान, जिला-सूरजपुर (छग0) अनावेदकगण अमाली पुत्री फुलसाय वगै0 उम्र लगभग-85 वर्ष जाति पनिका निवासी ग्राम दनौलीखुर्द तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छग0 के संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य कि भूमि ग्राम दनौलीखुर्द में स्थित 229 रकबा नम्बर-137, 225, 229 रकबा 0.49, 0.05, 0.04 हे0 भूमि स्थित है जिस पर मईया आ0 आगरसाय, सोनी आ0 आगरसाय, नान आ0 आगरसाय का नाम सहखतेदार के रूप में दर्ज है जिसकी मृत्यु लगभग 35 वर्ष पूर्व हो चुकी है जिनका नाम विलोपित करते हुए आवेदकगण एवं अनावेदकगण के मध्य 1/2 हिस्सा में बंटवारा किये जाने हेतु छग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत वी-1, खसरा की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र मय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। किन्तु उक्त भूमि के सहखतेदार मईया आ0 आगरसाय, सोनी आ0 आगरसाय, नान आ0 आगरसाय का मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण जिससे दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशन कराया जाता है। अतः जिस किसी हितवद्द पक्षकार को आपत्ति हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 31/03/2026 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 16/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।
नायब तहसीलदार भैयाथान जिला सूरजपुर (छग.)

रायगढ़ में बाल विवाह रोकथाम को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

छ.ग. फ्रंटलाइन रायगढ़। महिला एवं बाल विकास विभाग, रायगढ़ द्वारा नगर पालिक निगम ऑडिटोरियम में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले को बाल विवाह की कुप्रथा से मुक्त करना तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी देकर जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना था। कार्यशाला कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देश, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत बबन पठारे तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री एल.आर. कच्छप के मार्गदर्शन में आयोजित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में बचपन बचाओ आन्दोलन रायपुर के स्टेट कोऑर्डिनेटर श्री विपिन ठाकुर उपस्थित रहे। उन्होंने पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, किशोर न्याय अधिनियम 2015 तथा पॉक्सो एक्ट 2012 के महत्वपूर्ण प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह रोकने के कानूनी उपायों और बच्चों के संरक्षण से जुड़े पहलुओं पर विशेष जोर देते हुए प्रतिभागियों को जागरूक किया। विशेष अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती अंकिता मुदलियार ने बताया कि रायगढ़ जिले की 282 ग्राम पंचायतें बाल विवाह मुक्त घोषित हो चुकी हैं और शेष 268 ग्राम पंचायतों को भी निर्धारित

समय-सीमा में इस श्रेणी में लाने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यशाला में शासन के निर्देशों का वाचन किया गया, जिसमें सभी ग्राम पंचायतों में विवाह पंजी का अनिवार्य संधारण, 12 सदस्यीय निगरानी टीम का गठन तथा आगामी रामनवमी और अक्षय तृतीया के अवसर पर जागरूकता अभियान चलाने की बात कही गई। अतिथियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने और रायगढ़ को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के लिए समन्वय एवं सहयोग की अपील की। इस अवसर पर श्री गेवेश नायक अध्यक्ष बाल कल्याण समिति, श्रीमती उमति ठाकुर उप पुलिस अधीक्षक एवं नोडल विशेष किशोर पुलिस इकाई, श्रीमती विनीता अग्रवाल सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, श्री

गंदास चन्द्रा सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, श्री रूपलाल चौहान सदस्य बाल कल्याण समिति, श्रीमती निवेदिता पटनायक सदस्य बाल कल्याण समिति, श्री लक्ष्मी पटेल सदस्य बाल कल्याण समिति, श्री धीरेन्द्र कुमार शर्मा जिला बाल संरक्षण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास के परियोजना अधिकारी, सेक्टर पर्यवेक्षक, पंचायत विभाग के ग्राम पंचायत सचिव, पुलिस विभाग के विशेष किशोर पुलिस इकाई के अधिकारी एवं कर्मचारी, शिक्षा विभाग से संकुल प्राचार्य, स्वयं सेवी संस्थान के संचालक, धार्मिक प्रतिष्ठान के प्रतिनिधि, समाज प्रमुख, जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारी एवं कर्मचारी, बाल देखरेख संस्था के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित कुल 750 प्रतिभागी कार्यशाला में उपस्थित रहे।

जहां इलाज कराने वाले पात्र लाभार्थियों को वास्तविक खर्च के आधार पर पूरी आर्थिक सहायता मिलेगी। जारि आदेश के अनुसार कैसर उपचार से जुड़े सभी जरूरी मेडिकल खर्च अब सीआईएल द्वारा वहन किए जाएंगे। इसमें डॉक्टर की परामर्श फीस, विभिन्न प्रकार की जांचें, आधुनिक इमेजिंग तकनीक, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी और सर्जरी जैसे महंगे उपचार शामिल हैं। यानी मरीजों को अब इलाज के दौरान आर्थिक बोझ की चिंता नहीं सताएगी।

प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के तहत कृषि उन्नति को नई गति कलेक्टर ने दिए बहुआयामी निर्देश

छ.ग. फ्रंटलाइन दूतेवाड़ा। कलेक्टर देवेश कुमार श्रव द्वारा जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के अंतर्गत कृषि विकास योजना के अंतर्गत समूह (बलस्टर) चयन एवं कृषि विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने चयनित ग्रामों में रात्रि चौपाल आयोजित कर किसानों के साथ सतत संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए। बैठक में एजेंडा अनुसार सुर्माहित धान उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए चयनित किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने एवं बीज प्रमाणिकरण, सिंचाई सुविधाओं के सुधार हेतु लिफ्ट सिंचाई प्रणाली एवं क्रेडा (द्वारा स्थापित उपकरणों के मरम्मत और सुधार, हरी खाद के प्रचार-प्रसार के तहत लैंप के माध्यम से किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड अंतर्गत हरी खाद उपलब्ध कराने एवं बीआरसी

समूहों के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रशिक्षण आयोजित कर जिला खनिज न्यास अंतर्गत 5000 किसानों को 80 प्रतिशत अनुदान पर जैविक आदान सामग्री उपलब्ध कराने, नाडेप टांका के माध्यम से कम्पोस्ट उत्पादन को बढ़ावा देने, पूर्व से बने टांकों को भरने एवं बांस से नए टांकों का निर्माण, कृषक उन्नति योजना के तहत मरदान क्षेत्रों में धान के स्थान पर लघु अनाज की खेती को प्रोत्साहित करने तथा ऐसे किसानों की पहचान कर उन्हें प्रेरित करने, जैविक खेती के प्रचार हेतु सफल किसानों की कहानियां एवं तकनीकों पर आधारित लघु वीडियो (रील्स) बनाने, किसान क्रेडिट कार्ड के नए प्रकरणों को बढ़ावा देने तथा किसानों को एटीएम कार्ड के उपयोग, रबी क्षेत्र विस्तार के अंतर्गत समुदाय के साथ चर्चा कर चरवाहों के चयन, कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा देते हुए विकासखंड स्तर पर कस्टम

पत्थर लोड ट्रेक्टर जब्त करके लाते वक्त वन अमला से गालीगलौज

छ.ग.फ्रंटलाइन कुसुमी। बलरामपुर जिला के कुसुमी थाना अंतर्गत अवैध पत्थर लोड ट्रेक्टर को वन अधिकारी के द्वारा जब्त करके लाते समय वाहन मालिक के द्वारा रोककर चालक को भगा देने और वन विभाग के चालक के साथ गालीगलौज, मारपीट करके सड़क पर पत्थर गिरवा देने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस मामले में केस दर्ज करके अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है। वन विभाग में वाहन चालक के पद पर पदस्थ सुमन तिकी पिता स्व. गोपाल राम 45 वर्ष ने कुसुमी थाना में रिपोर्ट दर्ज

कराया है कि 19 मार्च को अवैध पत्थर तस्करों की सूचना पर ग्राम गजाधरपुर की ओर एसडीओ मणिकांत वर्मा के साथ वह गया था। इस दौरान वन परिक्षेत्र कुसुमी के बीट कुसुमी, कक्ष क्रमांक पी-3033 में हरिगोविन्द के ट्रेक्टर से अवैध पत्थर का परिवहन करना पाया गया। एसडीओ वन ने मौके पर ट्रेक्टर को जप्त कर लिया और विभागीय चालक को उन्होंने ट्रेक्टर में बैठकर साथ में कार्यालय परिसर में आने के लिए कहा। आगे-आगे शासकीय वाहन क्रमांक सीजी 02 एयू 2175 में एसडीओ जा रहे थे आरोप है

कि रास्ते में एक क्रशर के पास मुख्य मार्ग में शाम करीब 6 बजे ट्रेक्टर मालिक हरिगोविन्द ट्रेक्टर को रोका और अपने ड्राइवर को भगाकर ट्रेक्टर में लोड पत्थर को हाइड्रोलिक चालू करके सड़क में गिरा दिया, और एसडीओ के निर्देशन में ट्रेक्टर में बैठकर आ रहे वन विभाग के चालक सुमन तिकी से गालीगलौज करते हुए कालर पकड़ कर उतार दिया और भाग जाने के लिए कहा। इस दौरान आगे-आगे शासकीय वाहन में जा रहे एसडीओ ने गाड़ी रोक कर बीच-बचाव किया, जिस पर उत्तेजित होकर देख लेने की धमकी देते हुए ट्रेक्टर स्वामी ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है और अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

आजीविका और जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समूह की महिलाओं ने साझा किए अनुभव

छ.ग. फ्रंटलाइन उत्तर बस्तर कांकेर। ग्रामों में जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं, सामुदायिक सदस्यों, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं अन्य हितधारकों के अनुभवों को साझा करने शुरुवार 20 मार्च को जिला पंचायत एवं गैर शासकीय संगठन प्रदान के संयुक्त तत्वावधान में जिला पंचायत के सभाकक्ष में प्रेरणा से प्रगति नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और पंचायत स्तर पर जल संरक्षण और संवर्धन पर चर्चा की गई, साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हरेश मंडवी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समुदाय एवं

ग्राम पंचायतों को प्रेरित करने के साथ-साथ उनके कार्यों को नई दिशा मिलती है। उन्होंने पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) के महत्व, ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) की प्रभावशीलता तथा महिला स्वयं सहायता समूहों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही यह भी बताया कि सेंटर ऑफ एक्सप्लोरस कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में एक डिजिटल टूल विकसित कर ग्राम पंचायत विकास योजना की प्रक्रिया को डिजिटलाइज किया गया है, जिसके माध्यम से जिले की प्रगति अब ऑनलाइन रूप से देखी जा सकती है। इस डिजिटल व्यवस्था से योजनाओं की निगरानी, पारदर्शिता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।



दुल्हन को लेकर लौट रही गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटी, बच्ची की मौत, 10 घायल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

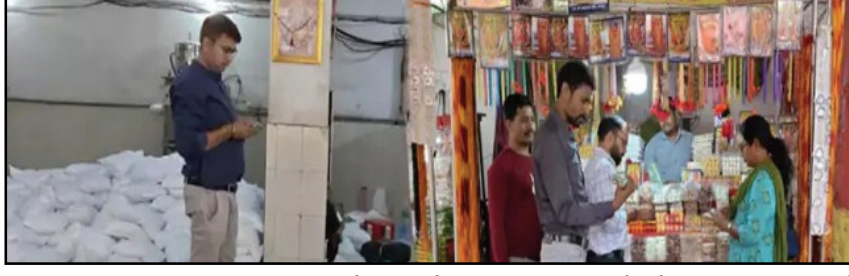
कोरबा। बांकी मोंगरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा में शादी से लौट रही दुल्हन की गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें एक मासूम बच्ची की मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हो गए। घटना डबरीपारा मोड़ के पास की बताई जा रही है। वाहन (तूफान सीजी 11 बीजे 9084) ग्राम कसरंगा से कोरबा के दादर खुर्द की ओर जा रहा था। गाड़ी में दुल्हन सहित महिलाएं और बच्चे समेत कुल 11 लोग सवार थे। इसी दौरान अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ा और गाड़ी पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-



पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। घटना में एक बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल 10 लोगों का इलाज बांकी मोंगरा स्थित एसईसीएल अस्पताल में जारी है। घायलों में

कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। फिलहाल दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर वाहन के अनियंत्रित होने को हादसे की वजह माना जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने वाटर प्लांट और भोगाशाला से जांच के लिए लिया नमूना



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच टीम को गंगोत्री वाटर प्लांट में को बड़ी गड़बड़ी मिली है। फजीवाड़े के आरोप में टीम ने प्लांट से पानी की 3030 बोतलें और 29100 पाउच की जब्ती बनाई है। इसे सीज कर दिया गया है। पानी भरे बोतलों और

पाउच में भ्रामक लेबलिंग की बात जांच टीम ने बताई है। खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम छत्तीसगढ़ रतनपुर महामाया मंदिर के भोगशाला का निरीक्षण किया। यहां श्रद्धालुओं को बांट जाने वाले प्रसाद का सैम्पल लिया है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने सौपत के गंगोत्री मिनरल वाटर प्लांट पर छापामारा। जांच के दौरान भ्रामक लेबलिंग मिलने के

आरोप में पानी की 32 हजार से अधिक पानी बोतलों और पाउच की जब्ती बनाई है। नवरात्र पर्व और गर्मी के मौसम में लोगों की जानमाल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल और नियंत्रक खाद्य सुरक्षा के निर्देश पर छापामार कार्रवाई की गई है। विभाग की तरफ से नवरात्रि और बढ़ती गर्मी के मद्देनजर जांच अभियान

चलाया जा रहा है।

भ्रामक लेबलिंग के कारण पानी बोतले व पानी पाउच सीज

गंगोत्री मिनरल एंड वाटर प्लांट से पानी की बोतलों के सैम्पल भी लिए गए। भ्रामक लेबलिंग के कारण 1 लीटर की 210 पेटियां (प्रत्येक में 12 बोतल), 250 एमएल की 3030 पानी की बोतलें और 250 एमएल के 29,100 पानी पाउच सीज कर दिया है।

भोग प्रमाणन के लिए खाद्य पदार्थों के नमूने विभाग की टीम ने दो अन्य

फर्मों को सुधार के लिए नोटिस जारी किया है। जांच टीम ने सेवई, साबूदाना, अरहर दाल और चना दाल के नमूने भी एकत्र किए। रतनपुर स्थित मां महामाया मंदिर में श्रद्धालुओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण प्रसाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रसाद कक्ष का भी जायजा लिया। मंदिर में भोग प्रमाणन (भोग सर्टिफिकेट) के लिए खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। मंदिर परिसर के बाहर लगे ठेलों और गुमटियों की भी जांच की गई। यहां अखाद्य रंग से तैयार चाट को नष्ट कराया गया और संचालकों को खाद्य सुरक्षा मानकों के बारे में जानकारी दी गई।

अदाणी विद्या मंदिर की छात्रा ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में प्राप्त की सफलता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। अदाणी विद्या मंदिर सरगुजा की कक्षा आठवीं की छात्रा श्रेया सिंह ओटी ने ऑल इंडिया सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा एआईएसईई 2026 में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। श्रेया ने 200 में से 142 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 32,629 प्राप्त की है। पिछले तीन वर्षों से विद्यालय में अध्ययन कर रही श्रेया ने यह सफलता बिना किसी ट्यूशन या बाहरी कोचिंग के हासिल की है। नियमित अध्ययन, तार्किक सोच और आत्म-अनुशासन के साथ शिक्षकों के मार्गदर्शन और सहयोग



ने उनकी क्षमताओं को विस्तार दिया और उन्होंने स्वयं को मेहनती तथा सक्षम छात्रा के रूप में विकसित किया।

विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और सुविधाएँ अदाणी फाउंडेशन द्वारा संचालित अदाणी विद्या मंदिर, सरगुजा ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को सीबीएसई पाठ्यक्रम आधारित,

पूर्णतः निःशुल्क शिक्षा प्रदान करता है। विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आधुनिक संसाधन उपलब्ध हैं। परिसर में सुव्यवस्थित पुस्तकालय, उच्च तकनीक युक्त कंप्यूटर लैब और डिजिटल लर्निंग सुविधाएँ उपलब्ध हैं। विज्ञान विषयों के अध्ययन हेतु सुसज्जित प्रयोगशालाएँ स्थापित हैं, जो छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने

में सहायता करती हैं। साथ ही, विद्यालय स्वच्छ और सुरक्षित परिसर, पौष्टिक नाश्ता और मध्याह्न भोजन की व्यवस्था भी करता है, जिससे छात्र निर्बाध रूप से अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

श्रेया की सफलता पर विद्यालय

प्रबंधन ने हर्ष व्यक्त किया विद्यालय प्रबंधन ने श्रेया की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके अनुशासित अध्ययन, तार्किक सोच, निरंतर प्रयासों और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय का मानना है कि श्रेया जैसे छात्र संस्थान के शैक्षणिक वातावरण और मूल्यों को और सशक्त करते हैं।

रोड मार्किंग गाड़ी में ब्लास्ट से भीषण आग, दो लोगों ने कूदकर बचाई जान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। शनिवार की सुबह नगर के टिकरापारा थाना क्षेत्र में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। देवपुरी इलाके में रोड मार्किंग करने वाली गाड़ी में अचानक ब्लास्ट के बाद भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

ब्लास्ट के बाद धू-धू कर जली गाड़ी जानकारी के अनुसार, घटना सुबह करीब साढ़े 11 बजे की है। गाड़ी सड़क पर रोड मार्किंग का काम कर रही थी। इसी दौरान गाड़ी में लगी मशीन से अचानक चिंगारी

निकली, जिससे ब्लास्ट हो गया और देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया।

गाड़ी से कूदकर बचाई जान

हादसे के समय गाड़ी में एक महिला सहित दो लोग सवार थे। आग लगते ही दोनों ने तत्परता दिखाते हुए गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। यदि थोड़ी भी देर होती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाई। हालांकि तब तक गाड़ी काफी हद तक जल चुकी थी।



पुलिस कर रही है मामले की जांच

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रोड मार्किंग मशीन से निकली चिंगारी के कारण यह

हादसा हुआ। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इस घटना ने एक बार फिर सड़क निर्माण और मटेनेंस कार्यों में सुरक्षा मानकों के पालन की आवश्यकता को उजागर कर दिया है।

मुखबीर की सूचना पर गौमांस के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पथलगांव। कोतबा पुलिस चौकी के सामने मेन रोड पर वाहनों की चेकिंग के दौरान पुलिस को मुखबीर से पुख्ता सूचना मिली कि एक व्यक्ति उड़ीसा राज्य के ग्राम बनडेगा से अपने अल्टो कार क्रमांक ओआर 14जी3271 में गौवंश का वध कर, भारी मात्रा में गौवंश के मांस को कार में रखकर, कोतबा की ओर से होते हुए, लैलूंगा, जिला रायगढ़ की ओर जा रहा है। जिस पर पुलिस के द्वारा मुखबीर की सूचना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत



कराते हुए तत्काल, पुलिस बल के साथ मेन रोड पर पर नाका बंदी की गई थी। इसी दौरान सदिग्ध अल्टो कार आता दिखाई देने पर पुलिस टीम के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए, घेराबंदी कर, सदिग्ध वाहन को रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर ड्राइवर सीट के

वगल में एक बैग में 1-1 किलो की पालीथीन में बंधा हुआ 25 पैकेट व बीच सीट में काले रंग के बैग के अंदर रखे 1-1 किलो की पालीथीन में बंधा हुआ 35 पैकेट, इस प्रकार कुल 60 पैकेट में, 60 किलो मांस मिला, पूछताछ पर आरोपी चालक ने अपना नाम

जीसान हुसैन उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम बनडेगा, थाना तलसरा, जिला सुंदरगढ़ (उड़ीसा) का रहने वाला बताया व उक्त सदिग्ध मांस को ग्राम बन डेगा से लेकर आना बताया। पुलिस के द्वारा सदिग्ध आरोपी जिसान हुसैन को हिरासत में ले लिया गया व सदिग्ध मांस को जप्त कर, पशु चिकित्सक से परीक्षण कराया गया। पशु चिकित्सक के द्वारा जप्त मांस की, गौवंश के मांस होने की पुष्टि करने पर पुलिस के द्वारा आरोपी के विरुद्ध चौकी कोतबा में छ.ग. कृषक पशु परीक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 के तहत

अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस की पूछताछ पर आरोपी जीसान हुसैन उम्र 24 वर्ष के द्वारा अपराध स्वीकार करने व प्रयाप्त सबूत पाए जाने पर, घटना में प्रयुक्त अल्टो कार को भी जप्त करते हुए, उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। आरोपी की गिरफ्तारी में चौकी प्रभारी कोतबा उपनिरीक्षक बुजेश यादव, प्रधान आरक्षक अजय खेस, संजय लकड़ा, आरक्षक अभय चौबे, बूटा सिंह, नवनीत मिश्रा, रघुराज रजक, सुशील तिवारी व निर्मल नाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

रेणुकूट में सड़क किनारे कट स्टोन लगाने का कार्य शुरू, राज्य मंत्री संजीव गौड़ ने किया भूमि पूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रेणुकूट। स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए वी-मार्ट पुलिसिया से खाड़पाथर मोड़ तक सड़क को दोनों पटरियों पर कट स्टोन लगाने का कार्य शुरू हो गया है। इस महत्वपूर्ण परियोजना का शुभारंभ शुक्रवार को प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री संजीव गौड़ द्वारा विधिवत भूमि पूजन कर किया गया। भूमि पूजन के दौरान राज्य मंत्री संजीव गौड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार आम जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए लगातार विकास कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, ह्यूह

सड़क क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। कट स्टोन लगाने से न केवल सड़क मजबूत होगी, बल्कि दुर्घटनाओं पर भी काफी हद तक रोक लगेगी। हमारी सरकार का उद्देश्य है कि हर नागरिक को बेहतर और सुरक्षित यातायात सुविधा मिले। उन्होंने आगे कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा कराया जाएगा। यह कार्य जिला खनिज निधि के फंड से कराया जा रहा है, जिसके लिए कुल 2 करोड़ 63 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के तहत सड़क

के दोनों ओर 10-10 फीट तक कट स्टोन बिछाया जाएगा। एक ओर से इस मार्ग की लंबाई लगभग 2.100 किलोमीटर है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग पर पहले अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती थीं और आम की समस्या भी गंभीर बनी रहती थी। सड़क के किनारे मजबूत पट्टी न होने के कारण वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब कट स्टोन बिछाने से सड़क चौड़ी और सुरक्षित होगी, जिससे यातायात व्यवस्था बेहतर होने के साथ-साथ दुर्घटनाओं में भी कमी आने की उम्मीद है।

दो सदिग्ध मौतों से राजधानी में सनसनी: उरला में मिला कंकाल तो अमनपुर में दफन मिला शव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में दो अलग-अलग घटनाओं ने सनसनी फैला दी है। अमनपुर थाना क्षेत्र में जहां एक युवक का शव मिट्टी में दबा हुआ मिला, वहीं उरला इलाके में एक नर कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया है। दोनों ही मामलों में पुलिस जांच में जुटी हुई है। रायपुर ग्रामीण पुलिस के अमनपुर थाना क्षेत्र में ग्रामीणों ने एक शव देखा, जो आधा मिट्टी में दबा हुआ था। शव का एक हाथ और पैर बाहर नजर आ रहा था, जबकि बाकी हिस्सा मिट्टी के नीचे दबा हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एफएएसएल और डॉग स्कॉड की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पहचान करने की कोशिश की। मृतक की पहचान



उसके हाथ में बने टैटू के आधार पर नितेश बत्रा (25 वर्ष), निवासी शदाणी दरबार क्षेत्र के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि युवक के गुम होने की शिकायत पहले से थाने में दर्ज थी। प्रारंभिक तौर पर यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि हत्या किसने और क्यों की, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है। इसी बीच रायपुर कमिश्नरेट के उरला थाना क्षेत्र के मेटल पार्क इलाके में एक नर कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर

जांच शुरू की और कंकाल की पहचान दिलीप नामक व्यक्ति के रूप में की गई, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले दर्ज कराई गई थी। दोनों मामलों में पुलिस अलग-अलग एंगल से जांच कर रही है। अमनपुर में हत्या की आशंका जताई जा रही है, जबकि उरला में मौत के कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही दोनों मामलों की सच्चाई सामने लाई जाएगी।

हेरोइन तस्करी गैंग का किया भंडाफोड़, चार बड़े सप्लायर को पंजाब से किया गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। शहर में पंजाब से चलने वाले हेरोइन तस्करी सिंडिकेट का खुलासा पुलिस ने किया है। गिरफ्तार 4 आरोपियों के कब्जे से एक विदेशी बरेटा पिस्टल बरामद की गई है। आरोपी पिस्टल साथ में रखकर हेरोइन की तस्करी करते थे। आरोपियों का सीधा संपर्क पाकिस्तान से सटे पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय बड़े तस्करी नेटवर्क से था। पंजाब से हेरोइन को डॉक पार्सल व ट्रक ड्राइवर से सांठ-गांठ कर रायपुर में सप्लाई करते थे। दरअसल, रायपुर पुलिस पिछले कुछ समय से हेरोइन चिट्ठा की तस्करी और सप्लाई करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। पूर्व में कुछ आरोपियों को पकड़ा गया था, जिनका कनेक्शन पंजाब से



था। आरोपी पंजाब के मुख्य सप्लायर से ड्रम मंगवाकर रायपुर की बड़ी पार्टियों समेत अन्य जगहों पर डिलीवरी करते थे। आरोपियों से पूछताछ के बाद से ही रायपुर कमिश्नरेट पुलिस मुख्य सप्लायर

को पकड़ने में जुटी हुई थी। इसी बीच पुलिस की टीम ने पाब्लो गैंग के रूपिंदर को ड्रम के साथ गिरफ्तार किया था। आरोपी से पूछताछ के बाद से ही रायपुर कवलयी सिंह पन्नु के बारे में

जानकारी मिली थी। पन्नु पाकिस्तान से सटे पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय तस्करी नेटवर्क से सीधे हेरोइन खरीदता था। रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने बीना देरी किए पंजाब में रेंड कर आरोपी कवलयी सिंह पन्नु समेत चार तस्करी को धर-दबोचा गया। पूछताछ में पन्नु ने खुलासा किया कि वो तस्करी नेटवर्क से हेरोइन खरीदकर डॉक पार्सल और ट्रक ड्राइवरों को लालच देकर उनके माध्यम से रायपुर में माल की सप्लाई करता था। आरोपी पन्नु के खिलाफ रायपुर, पंजाब समेत कई थानों में एनडीपीएस के तहत अपराध दर्ज है। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी अपने साथ हर वक्त एक बरेटा पिस्टल भी रखता था। रूपिंदर और पन्नु दोनों आरोपी खुद हेरोइन की तस्करी नहीं करते थे, बल्कि

कूरियर व ट्रक ड्राइवरों के माध्यम से रायपुर में सप्लाई करते थे। गिरफ्तार आरोपी राज ने पुलिस को बताया कि हेरोइन की तस्करी के लिए उन ट्रक चालकों की मदद लेते थे, जो व्यापारिक माल को पंजाब से छत्तीसगढ़ तक लाते-लेजाते थे। जांच एजेंसिया भी इन पर शक नहीं कर पाती थी। आरोपियों के कब्जे से 11.82 गाम हेरोइन, पिस्टल, जिंदा कारतूस और मोबाइल जब्त किया गया है। कवलयी सिंह पन्नु पिता मेहताब सिंह, तरसेम सिंग उर्फ साजन पिता साहिब सिंग, विक्रमी सिंग पिता चिमन लाल, जनक राज पिता चिमन लाल को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गये चारों आरोपी पंजाब के रहने वाले हैं। इनके खिलाफ थाना कबीर नगर, आमानाका, थाना डीडी नगर थानों में अपराध दर्ज है।

एलपीजी संकट पर सरकार सरकार ने नागरिकों को दी सलाह

एजेसी नई दिल्ली

पेट्रोलियम मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने अंतर मंत्रालयी प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि देश की सारी रिफाइनरी अपनी पूरी क्षमता में काम कर रही हैं। लोगों को घबराये की जरूरत नहीं है। घरों पर डिजल्वरी सुनिश्चित हो रही है। उन्होंने कहा है कि घरेलू एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और हम लगातार उपभोक्ताओं से अपील कर रहे हैं, जहां भी संभव हो वे नेचुरल गैस अपनाने की ओर बढ़ें। इस संबंध में राज्य सरकारों को भी पत्र लिखे गए हैं। इस सिलसिले में पहल करने वाले राज्यों को अतिरिक्त 10 फीसदी एलपीजी मुहैया कराने का भरोसा भी दिया गया है।

देश की सारी रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही, घरेलू एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध, लोग अफवाहों पर भरोसा न करें



सरकार ने कहा कि जहां भी संभव हो वे नेचुरल गैस अपनाने की ओर बढ़ें

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने कहा- लोग अपने सिलेंडर की डोर स्टेप डिलिवरी का इंतजार करें



सभी राज्यों के पास सप्लाई उपलब्ध

13700 से अधिक कनेक्शन दिए गए हैं और 7500 से अधिक लोग एलपीजी से पीएनजी पर शिफ्ट हुए हैं। ऑनलाइन बुकिंग में लगभग 93 फीसदी की बुकिंग ऑनलाइन है। उनकी डिलिवरी की जा रही है। पैकिंग बुकिंग कम हुई है। गुरुवार को 55 लाख बुकिंग हुई है। सभी राज्यों के पास सप्लाई उपलब्ध है। पिछले एक हफ्ते में 11300 टन कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं को दी गई है। इस सप्लाई का 50 प्रतिशत शिक्षण संस्थाओं और अस्पतालों को मिला है।

32 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम सेटअप किए

लगभग 32 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम सेटअप किए गए हैं। जिला निगमों की समिति भी काम कर रहे हैं। 24 घंटों में लगभग 4500 जगहों पर छापेमारी की गई है। उत्तर प्रदेश में करीब 1100 जगहों पर छापेमारी की गई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने भी 1800 जगहों पर सरप्राइस इंस्पेक्शन किया है। एलपीजी के बारे में यही कहना है कि स्थिति अब भी चिंताजनक है, लेकिन उपभोक्ता अफवाहों पर ध्यान न दें।

योजना बनाने में मिलेगी मदद

पीपीएस को काम वैसे भी तेल और गैस क्षेत्र से जुड़े आंकड़े जुटाना है, लेकिन अधिसूचना के बाद अब उसे रियल टाइम में डेटा एकत्र करने का अधिकार मिल गया है? इनसे सरकार को आपात स्थिति में अपनी योजना बनाने में मदद मिलेगी। कहा गया है कि आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आदेश का उल्लंघन अपराधिक होगा।

कंपनियों को देना होगा एक-एक बूंद का हिसाब पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण चल रही वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच सरकार ने देश में आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर दिया है। इसके तहत अब उन सभी संस्थाओं को अपना डाटा शेयर करना होगा, जो पेट्रोलियम उत्पादी और प्राकृतिक गैस के उत्पादन, प्रसंस्करण, शोधन, भंडारण, परिवहन, आयात, निर्यात, विपणन, वितरण और उपभोग में लगी हैं। इन कंपनियों को हर आंकड़े की जानकारी पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ को देना अनिवार्य कर दिया गया है। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 के तहत गजट अधिसूचना जारी कर दी है।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालक दण्डाधिकारी भटगांव जिला सुरजपुर (छगग)
// ईश्वरार//
राज्य क्रमांक.ब-121/2025-26
आम जनता ग्राम धरतीपार को सूचित किया जाता है कि आवेदिका नेहरी बाई पिता महिपत जाति कुम्हार निवासी ग्राम धरतीपार तहसील भटगांव जिला सुरजपुर छगग द्वारा स्वयं का जन्म दिनांक 15/02/1993 को ग्राम धरतीपार में जन्म होना बताकर जन्म प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत भव आवेदन, शपथ पत्र, वार्ड का पंचनामा, आधार कार्ड की छाया प्रति सहित स्थानीय रजिस्ट्रार (जन्म / मृत्यु) का रजिस्ट्रार (मध्य प्रदेश) निगम 1969 के नियम 10 (13) के अन्तर्गत निर्देश देने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था कोई आपत्ति हो तो दिनांक 02/04/2026 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। निवृत्त निधि भद्रप्राण आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 17/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
तहसीलदार एवं कार्यपालक दण्डाधिकारी भटगांव

बंगाल चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र जारी किया सामान्य वर्ग की महिलाओं को 1500 तो एससी एसटी को मिलेंगे 1700, बेरोजगारों को 1500 रु.

सीएम ममता ने कहा- 'लक्ष्मी भंडार' योजना के तहत दी जाएगी यह राशि

एजेसी कोलकाता

पश्चिम बंगाल चुनावों के लिए राज्य की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है। 'दीदी के 10 वचन' नाम से चुनावी वादों का ऐलान करते हुए मुख्यमंत्री और टीएमसी की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महिलाओं और बेरोजगारों के लिए मासिक भत्ते का ऐलान किया है। ममता ने कहा है कि सामान्य वर्ग की महिलाओं को हर महीने 1,500 मिलेंगे, जबकि एससी-एसटी वर्ग की महिलाओं को हर महीने 1,700 रुपये मिलेंगे। जो युवा बेरोजगार हैं, उन्हें पॉकेट मनी के तौर पर हर महीने 1,500 रुपये मिलेंगे। ममता ने कहा कि घोषणापत्र का मुख्य आधार दीदी के 10 वादों हैं, जो कल्याण और विकास के वादों का एक मिला-जुला रूप हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने 'लक्ष्मी भंडार' योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि में 500 रुपये की

माजपा यहां सत्ता में वापस नहीं आ पाएगी



घोषणा पत्र जारी करती सीएम ममता और अभिषेक

कोलकाता में ममता और टीएमसी सांसद अभिषेक समेत तमाम नेताओं की मौजूदगी में घोषणा पत्र जारी किया गया है। ममता ने कहा कि हम कई साजिशें देखते हैं, लेकिन इस बार तो सारी हदें पार हो गई हैं। इस चुनाव के बाद परिसेमन होगा, लेकिन मोदी सरकार सत्ता में वापस नहीं आएगी।

घोषणा पत्र में दीदी के 10 वचन

उन्होंने कहा कि पार्टी 'बंगलार युवा-साथी' योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को दिया जाने वाला 1,500 रुपये के मासिक भत्ते को जारी रखेगी। राज्य में अगली सरकार बनने पर किसानों (जिनमें भूमिहीन किसान भी शामिल हैं) की सहायता के लिए 30,000 करोड़ रुपये का

बंगाल में आईएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादले पर तकरार

चुनाव आयोग के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंची टीएमसी

तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल में विधानसभा चुनावों की घोषणा के तुरंत बाद कई भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएसएस और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों के तबादले के निर्वाचन आयोग के आदेश को चुनौती देते हुए शुक्रवार को कोलकाता हाई कोर्ट का रुख किया। तृणमूल कांग्रेस के नेता एवं वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने इस मामले में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पक्षकार प्रतिवादी बनाया है। राज्य सरकार से आयोग

हिमाचल में भारी बारिश-बर्फबारी हिमखंड गिरा, 3 नेशनल हाईवे समेत राज्य की 100 सड़कें बंद



एजेसी शिमला

हिमाचल प्रदेश में अर्रिज अलर्ट के बीच शुक्रवार को भी ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले में झमाझम बारिश हुई। शुक्रवार को धौलाधार, रोहतांग दर्रा और पांगी-भरमौर की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी का दौरा जारी रहा। लाहौल के बरालाबा, कुंजम, शिकुला दर्रा सहित घेपन पीक, सीबी रेंज की पहाड़ी पर 70 से 80 सेंटीमीटर बर्फबारी का अनुमान है। अटल टनल रोहतांग में करीब 90 सेंटीमीटर तक ताजा बर्फबारी हुई है। शिमला जिले के कुफरी, नारकंडा और किन्नौर के छितकुल, कल्पा समेत कई क्षेत्रों में भी बर्फबारी हुई है। राजधानी शिमला, कांगड़ा, मंडी, चंबा, हमीरपुर और ऊना में दिन भर बारिश रही। राजधानी शिमला में 2 दिन से बारिश जारी है। हिमाचल में पांच दिन से बारिश-बर्फबारी का दौरा चल रहा है।

छाया अंधेरा फसलें तबाह

मनाली-केलांग सड़क बंद होने से लाहौल का संपर्क कट गया है। लाहौल में बिजली भी ठप है। नालागढ़ में बारिश से गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है। भरमौर-पांगी की ऊपरी चोटियों में 30.48 सेमी तो भरमौर मुख्यालय 7.62 सेमी ताजा बर्फबारी हुई। कांगड़ा जिले में बारिश से खट्टे-नालों में पानी का जल स्तर बढ़ गया।

पौष्म विकसित भारत रोजगार योजना का उठाये लाभ
सोनभद्र (जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी द्वारा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पौष्म विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत पंजीकरण की अवधि 01 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 तक निर्धारित की गई है।

बढ़ोतरी करने का वादा किया है।

कृषि बजट पेश किया जाएगा।

चौज का मुकाबला करना है।

वे बंगाल से ईर्ष्या कर कर रहे

सीएम ममता ने कहा कि यहां पर्यवेक्षक के तौर पर तेनात लोगों को न तो इस क्षेत्र की जानकारी है, न ही राज्य की। उन्हें राज्य के बारे में कुछ भी पता नहीं है। वे अपना कर्तव्य कैसे निभा सकते हैं? राष्ट्रपति शासन की जगह अधोपिात राष्ट्रपति शासन लागू हो गया है।

बंगाल में 'दुआरे चिकित्सा' की करेंगे शुरुआत, शिविर लगेगे

ममता ने बताया कि हम 'दुआरे चिकित्सा' (घर-घर जाकर चिकित्सा सेवा) शुरू करेंगे। हम इसे हर बूथ पर शुरू करेंगे, हम 'दुआरे चिकित्सा' शिविरों का आयोजन करेंगे। उन्होंने कहा कि हजारों स्कूलों को ई-लर्निंग सुविधाओं से आधुनिक बनाया जाएगा। आने वाले दिनों में हम सात-आठ नए जिले, ब्लॉक और यहां तक कि नई नगरपालिकाएं भी बनाएंगे।

केरलम में राहुल ने कहा अब जनता को यूडीएफ पर पूरा भरोसा, वामपंथ की विदाई तय

एजेसी केरलम



यहां चुनावी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि केरल के लोग अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने राज्य में यूडीएफ की सरकार बनाने की वकालत की और वामपंथी सरकार की विदाई को तय बताया। एसए पर एक पोस्ट में लिखा 'टीएम यूडीएफ ही टीम केरलम है।' हर उम्मीदवार केरलम के लोगों की आवाज, उनकी उम्मीदों और उनके भरोसे को दर्शाता है। मेरे लिए केरलम एक घर की तरह है और वहां के लोग मेरा परिवार हैं। केरल के लोगों ने मुझे जो कुछ भी सिखाया है। उसके लिए मैं उनका कर्जदार हूँ। केरलम से मिलने वाला संदेश बिल्कुल साफ है। लोग बदलाव को तैयार हैं। वे एक ऐसी सरकार की तलाश में हैं जो उनकी समस्याओं को समझे और ईमानदारी के साथ काम करके दिखाए।

रिटर्न फाइल करना हो गया आसान केंद्र ने आयकर नियम 2026 के लिए अधिसूचना जारी की

एजेसी नई दिल्ली



केंद्र सरकार ने शुक्रवार को आयकर नियम, 2026 के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इससे नए आयकर अधिनियम 2025 के लिए मंच तैयार होगा, जो कि 1 अप्रैल से लागू होने वाला है, जिसमें पारदर्शिता, अधिक सख्त डिस्कलोजर और बेहतर अनुपालन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने ई-राजपत्र में आयकर नियमप्रकाशित किए हैं, जो पूर्ववर्ती प्रावधानों का स्थान लेते हैं और आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एक विस्तृत दांचा निर्धारित करते हैं। इसका उद्देश्य प्रोसेस को आसान करना और कैपिटल गेन, स्टॉक मार्केट लेनदेन और एनआरआई टैक्स से जुड़े रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड को सख्त करना है। इसमें कर प्रणाली को आधुनिक बनाने के प्रयास हैं।

संघ के विदम प्रांत कार्यालय का संघ प्रमुख ने किया शिलान्यास डॉ. भागवत ने दुनिया में चल रहे युद्ध को भारत खत्म कराने में सक्षम, पर स्वार्थ त्यागना होगा

एजेसी विदम



आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद के विदम प्रांत के कार्यालय का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि इस समय दुनिया में कई युद्ध चल रहे हैं। इन्हें भारत ही रोक सकता है। दुनिया के चितकों के ध्यान में यह बात आती है कि चल रहे युद्ध में बार-बार देश से आवाज उठ रही है। डॉ. भागवत ने कहा कि सनातन धर्म का उत्थान ईश्वर इच्छा है। सारी परिस्थिति हमारे सामने है। युद्ध की वजह स्वार्थ है और कुछ नहीं है।

भारत की प्रवृत्ति को दुनिया देख रही

डॉ. भागवत ने कहा कि हमारी शक्ति के कारण आवाज सुनी जाएगी। सारी दुनिया उसका अनुकरण करेगी, तब दुनिया ठीक होगी। भारत की प्रवृत्ति देख रहे।

आज दुनिया विनाश की ओर जा रही

संघ प्रमुख ने कहा कि मूल में है स्वार्थ प्रवृत्ति है, क्योंकि हम यह माने, दुनिया केवल जड़ है। न कलह बंद हुई, न कट्टर पंथ। आज दुनिया विनाश की ओर जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका ब्राह्मणों के खिलाफ हेट स्पीच को भी माना जाए अपराध, अर्जी वापस

एजेसी नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक रिट याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिका में ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ हेड स्पीच, जिसे 'ब्राह्मोफोबिया' बताया गया, इससे जाति आधारित भेदभाव के तहत दंडनीय अपराध घोषित करने की मांग की गई थी। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस बीवी नागरला और जस्टिस उज्जल बुध्या की बेंच ने याचिकाकर्ता महालिंगम बालाजी की संक्षिप्त सुनवाई के बाद याचिका को खारिज कर दिया। बालाजी खुद कोर्ट में पेश हुए थे। बाद में याचिकाकर्ता ने फिर से मामला उठाया और याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, ताकि वह उचित मंच पर अपनी बात रख सके। कोर्ट ने उन्हें याचिका वापस लेने की इजाजत दे दी।

किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरत गरी भाषा नहीं चाहते

जस्टिस नागरला ने कहा कि हम किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरत गरी भाषा नहीं चाहते। यह सब शिक्षा, बौद्धिक विकास, सहनशीलता और धैर्य पर निर्भर करता है। अंत में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता, जो खुद पेश हुए हैं। उन्होंने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी है। उनकी बात रिकॉर्ड में दर्ज की जाती है। यह याचिका वापस ली गई मानकर खारिज की जाती है।

राष्ट्रपति ने 'सेवाश्रम' में ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन किया प्रेमानंद को किया नमन, देश की समृद्धि का आशीर्वाद मांगा

इस दौरान राष्ट्रपति ने 27 मिनट तक सुने महाराज के विचार



एजेसी गुवाडान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। दौरे के दूसरे दिन वे शुक्रवार को धर्म नगरी गुवाडान पहुंचीं। यहां उन्होंने प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम 'श्री हित राधा केलि कुंज' में उनसे विशेष भेंट की। राष्ट्रपति का कॉफिल आश्रम पहुंचा, जहां महाराज जी ने 'राधे-राधे' के उद्घोष के साथ उनका स्वागत किया।



आस्थात्मक और सनातन के कल्याण पर की चर्चा

राष्ट्रपति और प्रेमानंद महाराज के बीच इस मुलाकात में आस्थात्मक मूल्यों और समाज के कल्याण में विश्वास की भूमिका पर चर्चा हुई। इससे पहले उन्होंने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर की दूसरी मंजिल पर 'श्री राम यंत्र' की स्थापना की और मथुरा के इस्कॉन मंदिर में संस्था आरती में भी भाग लिया।

गोवर्धन परिक्रमा के साथ संपन्न होगा दौरा

राष्ट्रपति बाबा नीम करोली के स्मारक का दौरा किया और रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में अत्याधुनिक ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन किया। साथी ऋतंत्र द्वारा स्थापित वात्सल्य ग्राम भी पहुंचीं। दौरा शनिवार को गोवर्धन के दानघाटी मंदिर में पूजा, पवित्र गोवर्धन परिक्रमा के साथ संपन्न होगा।

प्रेमानंद एक चमत्कारिक संत के रूप में ख्यात

कानपुर के ब्राह्मण परिवार में जन्मे अनिरुद्ध कुमार पांडे (अब प्रेमानंद महाराज) का जीवन संघर्ष और भक्ति का अद्भुत संगम है। उनका जन्म 30 मार्च 1969 को हुआ था, जिसके मुताबिक उनकी उम्र 57 वर्ष हो गई है। महाराज अपना जन्मदिन हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन मनाते हैं। दोनो किडनियां खराब होने के बावजूद जिस ऊर्जा से वे भक्तों का मार्गदर्शन करते हैं, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है।

सीएम बस्तर में देंगे राज्य की सबसे बड़े हेरिटेज मैराथन की सौगात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में खेल, पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए हबस्तर हेरिटेज मैराथन 2026 का आयोजन रविवार 22 मार्च को करने जा रही है। यह राज्य का अब तक का सबसे बड़ा रनिंग इवेंट होगा, जिसकी शुरुआत जगदलपुर के ऐतिहासिक लालबाग मैदान से होगी और समापन विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात पर होगा। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इस रूट पर दौड़ते हुए प्रतिभागियों को बस्तर की अद्भुत वादियों और सांस्कृतिक पहचान का अनुभव मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस आयोजन को छत्तीसगढ़ के

लिए गर्व का विषय बताते हुए कहा कि बस्तर हेरिटेज मैराथन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि राज्य की समृद्ध परंपरा, प्राकृतिक संपदा और जनभागीदारी का उत्सव है। उन्होंने कहा कि हबस्तर दौड़ेगा, देश जुड़ेगा के संदेश के साथ यह आयोजन के केवल फिटनेस को बढ़ावा देगा, बल्कि बस्तर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और अधिक मजबूती से स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसे आयोजनों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को अवसर देना, रोजगार सृजन को बढ़ावा देना और क्षेत्रीय विकास को गति देना है। मैराथन में 42 किलोमीटर (फुल मैराथन), 21 किलोमीटर (हाफ मैराथन), 10 किलोमीटर

और 5 किलोमीटर (फन रन) की श्रेणियां रखी गई हैं, ताकि हर आयु वर्ग और फिटनेस स्तर के लोग इसमें भाग ले सकें। प्रतिभागियों के लिए कुल 25 लाख रुपये की आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। पंजीकरण शुल्क मात्र 299 रुपये रखा गया है, जबकि बस्तर संभाग के सातों जिलों के प्रतिभागियों के लिए यह पूरी तरह निःशुल्क है, जिससे स्थानीय स्तर पर अधिकतम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। प्रतिभागियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मैराथन मार्ग पर व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। पूरे रूट पर नियमित अंतराल पर रिफ्रेशमेंट पॉइंट्स (आरपीएन) स्थापित किए जाएंगे, जहां एनर्जी ड्रिंक्स और पानी की उपलब्धता रहेगी। इसके अलावा मेडिकल सपोर्ट,



इमरजेंसी सेवाएं और सुव्यवस्थित रूट मैनेजमेंट भी सुनिश्चित किया गया है ताकि प्रतिभागियों को सुरक्षित और सुगम अनुभव मिल सके। इस आयोजन को और यादगार बनाने के लिए प्रत्येक प्रतिभागী को फिनिशर मेडल, ई-सर्टिफिकेट और प्रोफेशनल रनिंग फोटोग्राफ्स प्रदान किए जाएंगे।

साथ ही जुम्बा सेशन और लाइव डीजे जैसे आकर्षक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे प्रतिभागियों में उत्साह और ऊर्जा बनी रहे। रन फॉर नेचर, रन फॉर कल्चर (प्रकृति के लिए दौड़ो, संस्कृति के लिए दौड़ो) की थीम पर आधारित यह मैराथन बस्तर की प्राकृतिक धरोहर और

जनजातीय संस्कृति को देशभर के सामने प्रस्तुत करने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने देशभर के खिलाड़ियों, फिटनेस प्रेमियों और पर्यटकों से इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि यह अवसर न केवल दौड़ने का है, बल्कि बस्तर को करीब से जानने

और उसकी विरासत को महसूस करने का भी है। इच्छुक प्रतिभागी लिंक के माध्यम से या अधिकारिक पोस्टर में दिए गए क्वीआर कोड को स्कैन कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हॉफिट इंडिया हॉफिट भारत श्रेष्ठ भारत और देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के विजन से प्रेरित है। प्रधानमंत्री ने हमेशा भारत की सांस्कृतिक विविधता और स्थानीय विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने पर जोर दिया है। बस्तर हेरिटेज मैराथन उसी सोच को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है, जहां खेल, संस्कृति और प्रकृति एक साथ जुड़ते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार बस्तर को देश के प्रमुख पर्यटन और स्पोर्ट्स

डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस तरह के आयोजनों से न केवल युवाओं में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। बस्तर के कारीगरों, कलाकारों और छोटे-छोटे व्यवसायों को भी इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री साय ने देशभर के खिलाड़ियों, फिटनेस प्रेमियों और पर्यटकों से इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वह देश के हर कोने से युवाओं और नागरिकों को आमंत्रित करते हैं कि वे बस्तर आएँ, यहां की प्रकृति, संस्कृति और ऊर्जा को महसूस करें और इस ऐतिहासिक मैराथन का हिस्सा बनें।

धर्मरक्षा के संकल्प को साकार कर रही सुशासन सरकार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रवक्ता शताब्दी पांडे ने छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 को प्रदेश की सांस्कृतिक अस्मिता, सामाजिक समरसता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक और आवश्यक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक प्रदेश के गरीब, शोषित, आदिवासी और वंचित वर्गों की आस्था की रक्षा के लिए मजबूत कानूनी आधार प्रदान करता है। लंबे समय से प्रदेश के कई क्षेत्रों में लालच, भय, दबाव और छल-कपट के माध्यम से धर्म परिवर्तन की शिकायतें सामने आती रही हैं, जिससे सामाजिक ताना-बाना प्रभावित होता रहा है। इस विधेयक के माध्यम से ऐसे कृत्यों पर प्रभावी



अंकुश लगेगा और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित होगी। शताब्दी पांडे ने कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी आस्था के अनुसार धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता देता है, लेकिन किसी भी प्रकार का प्रलोभन, दबाव या धोखाधड़ी इस स्वतंत्रता के मूल भाव के खिलाफ है। छत्तीसगढ़ सरकार का यह

कदम इसी संवैधानिक मर्यादा को मजबूत करने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन की जो स्थापना हो रही है, उसमें कानून-व्यवस्था, पारदर्शिता और जन-आस्था की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह विधेयक न केवल धर्म की रक्षा करेगा, बल्कि समाज में विश्वास, सुरक्षा और सौहार्द का वातावरण भी सुदृढ़ करेगा। भाजपा प्रवक्ता ने विश्वास व्यक्त किया कि यह कानून प्रदेश के नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए सामाजिक एकता को और अधिक मजबूत करेगा तथा छत्तीसगढ़ को एक सशक्त, सुरक्षित और समरस राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जल संसाधन विभाग में अफसरों ने की मनमानी, सीएम सचिवालय ने दिये प्रमुख अभियंता को जांच का आदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छुईखदान जल संसाधन संभाग में अफसरों ने 500 करोड़ के काम में जमकर गोलमाल किया है। इस गड़बड़ी की लिखित शिकायत को गंभीरता से लेते हुए सीएम सचिवालय ने प्रमुख अभियंता को शिकायत पर नियमानुसार कार्यवाही कर आवेदक को अवगत कराने और पूरी कार्रवाई की जानकारी जनदर्शन पोर्टल पर दर्ज करने का निर्देश दिया है। सेवानिवृत्त सहायक वर्ग-3 एसके उपाध्याय ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निर्माण कार्यों में बरती गई अनियमितता की जानकारी देने के

साथ ही पूरे मामले की जांच की मांग की है। शिकायतकर्ता ने छत्तीसगढ़ के खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के जल संसाधन संभाग छुईखदान में कथित तौर पर 500 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की बात कही है। शिकायत में लिखा है, वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक जल संसाधन संभाग छुईखदान को विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए लगभग 500 करोड़ रुपये का आबंटन हुआ। आरोप है कि इस राशि का उपयोग सही तरीके से नहीं किया गया और अधिकारियों-



कर्मचारियों की मिलीभगत से भारी अनियमितताएं की गईं। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि वार्षिक मरम्मत और संधारण के लिए मिले लगभग 4 करोड़ रुपये का जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ। आरोप है कि पूरी राशि आपस में बांट ली गई और कागजों में काम दिखाकर धुगतान कर लिया गया। शिकायतकर्ता के आरोप शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्यों की निविदा प्रक्रिया में ठेकेदारों के साथ मिलीभगत कर करोड़ों रुपये का वारा-न्यारा कर दिया है। शिकायत के अनुसार करुणेश मेश्राम को प्रमुख अभियंता कार्यालय से नियम विरुद्ध छुईखदान में संलग्न कर तीन सबडिविजन का ऑडिट कार्य सौंप जाने का आरोप है। वहीं

कमल नारायण ठाकुर को उनके पद के विपरीत ऑडिटर, स्थापना, आरटीआई और कोर्ट केस का काम दिया गया। स्थल सहायक लोकेश शर्मा को भी फोल्ड के बजाय कार्यालय में संलग्न कर नियमों का उल्लंघन बताया गया है। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि कार्यपालन अभियंता बी.के. मरकाम के पूरे कार्यकाल की जांच कराई जाए। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों की चल-अचल संपत्ति, आयकर रिटर्न और वेतन के आधार पर तुलनात्मक विश्लेषण कर स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

प्रदेश मे खुलेंगे पांच नए चिकित्सा महाविद्यालय, राज्य सरकार ने की डीनों की नियुक्ति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रदेश के पांच शहरों में नए चिकित्सा महाविद्यालय खुलेंगे, इसी के मद्देनजर नए मेडिकल कॉलेजों के लिए राज्य सरकार ने डीन की नियुक्ति कर दी है। राज्य के मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण पर इसी महीने एनएमसी आने वाली है। वे यहाँ नए मेडिकल कॉलेजों का भी दौरा करेंगी। एनएमसी के निरीक्षण के बीच राज्य के 10 चिकित्सा महाविद्यालयों में फैकल्टी की भारी



कमी है। इन कॉलेजों में चिकित्सकों के 2660 स्वीकृत हैं, इसमें 1290 पद अब भी खाली हैं। जाहिर सी बात है एनएमसी की नजरें इस ओर भी रहेंगी। राज्य सरकार ने प्रदेश में पांच शहरों में

नए मेडिकल कॉलेज खोलने का निर्णय लिया है। इन कॉलेजों के लिए डीन की नियुक्ति सरकार ने कर दी है। प्रदेश के पुराने चिकित्सा महाविद्यालयों में फैकल्टी की भारी कमी के बीच यह सवाल भी उठ

रहा है, जब पुराने चिकित्सा महाविद्यालयों में फैकल्टी की कमी पूरी नहीं हो पा रही है, तब नए मेडिकल कॉलेजों के लिए चिकित्सकों की भर्ती कहाँ से होगी। विशेषज्ञ चिकित्सक कहाँ से आएंगे। यहाँ खुलेंगे मेडिकल कॉलेज राज्य शासन ने कवर्धा, मनेंद्रगढ़, जांजगीर-चांपा, गीदम (दंतेवाड़ा) व कुनकुरी (जशपुर) में नए मेडिकल कॉलेज खोलने का निर्णय लिया

है। यहाँ खुलने वाले 5 नए मेडिकल कॉलेज के लिए फैकल्टी की नियुक्ति अभी तक नहीं हो पाई है, हालांकि इन कॉलेजों में डीन का प्रभार दिया गया है। संभावना है, दंतेवाड़ा व जशपुर के जिला अस्पतालों को संबद्ध अस्पताल के रूप में निरीक्षण के दौरान एनएमसी को दिखाया जाएगा। गीदम के लिए कोई समस्या नहीं है। मापदंड के अनुसार कॉलेज व अस्पताल के बीच की दूरी 10-15 किलोमीटर के आस-पास होनी चाहिए।

रायपुर। शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए रायपुर पुलिस ने बड़ा फैसला लेते हुए भारी और मध्यम मालवाहक वाहनों के शहर में प्रवेश पर सख्त समयबद्ध प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। नए आदेश के अनुसार सुबह 5 बजे से रात 12 बजे तक शहर के भीतर इन वाहनों की एंट्री पूरी तरह बंद रहेगी। यह आदेश जारी होने की तारीख से एक महीने तक प्रभावी रहेगा। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रिंग रोड-01 और रिंग रोड-



02 से शहर में आने वाले 18 प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों पर यह प्रतिबंध लागू रहेगा। इनमें तेलीबांधा चौक, केनाल रोड, महावीर नगर चौक, राजेंद्र नगर चौक, पंचपेड़ीनाका, संतोपीनगर, भाटागांव, कुशालपुर, रायपुरा,

डीडी नगर, अरिहंत नगर, टाटीबंध, हौरापुर टर्निंग, गोवां विराहा, गोंदवारा विराहा, भनपुरी क्षेत्र, विश्वानसभा रोड (व्हीआईपी विराहा) और एक्सप्रेस-वे ब्रिज के नीचे का इलाका शामिल है।

महतारी वंदन योजना : आर्थिक संबल से आत्मविश्वास तक, सशक्त हो रही छत्तीसगढ़ की महिलाएं

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तब मानी जाती है जब उसकी महिलाएं सशक्त, आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने लें। छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना इसी दिशा में एक ऐतिहासिक और संवेदनशील पहल बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में यह योजना आज लाखों महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास, आर्थिक संबल और नई उम्मीदों का संचार कर रही है। महतारी वंदन योजना केवल हर माह मिलने वाली 1000 रुपये की आर्थिक सहायता तक सीमित

नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के सपनों को पंख देने, उनके आत्मसम्मान को मजबूत करने और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम बन गई है। प्रदेश के गांव-गांव से इसी प्रेरक कहानियाँ सामने आ रही हैं, जो बताती हैं कि छोटे-छोटे आर्थिक सहयोग से भी बड़े सामाजिक बदलाव संभव हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बस्तर में आयोजित वृहद महतारी वंदन कार्यक्रम के दौरान कई महिलाओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से वचुंअल संवाद कर अपने जीवन में आए बदलाव साझा किए। गौरेला पेंड़ा मरवाही जिले के ग्राम खोडरी की श्रीमती अनीता साहू ने बताया कि पहले आर्थिक कठिनाइयों के कारण

परिवार चलाना मुश्किल था, लेकिन योजना से मिली राशि से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और अनीता सिलाई सेंटर शुरू किया। आज वे सिलाई, खेती और मजदूरी के माध्यम से अपने परिवार को बेहतर जीवन दे रही हैं। उनका यह सफर संघर्ष से आत्मनिर्भरता तक की प्रेरक कहानी बन गया है। मोहलामानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की श्रीमती मिथलेश चतुर्वेदी ने भी अपने जीवन का भावुक अनुभव साझा किया। पति के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। ऐसे कठिन समय में महतारी वंदन योजना ने उन्हें आर्थिक संबल दिया और उन्होंने ई-रिक्शा खरीदकर आजिविका का नया रास्ता चुना। आज वे आत्मसम्मान के साथ अपने



परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं और समाज में आत्मनिर्भर महिला की पहचान बना चुकी हैं। कोरिया जिले की ग्राम डुमरिया निवासी श्रीमती बाबी राजवाड़े बताती हैं कि खेती-किसानी में मिलने वाली मासिक राशि उनके लिए बड़ी मदद साबित हो रही है। बीज, खद और अन्य कृषि जरूरतों को पूरा करना अब पहले की तुलना में आसान हो गया है।

वहीं ग्राम आमपारा की श्रीमती सुंदरी पैकरा इस राशि का उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई में कर रही हैं, जिससे उनके बच्चों के भविष्य को नई दिशा मिल रही है। भरतपुर विकासखंड के ग्राम चांटी की श्रीमती सविता सिंह की कहानी इस योजना की सार्थकता को और मजबूत करती है। उन्होंने महतारी वंदन योजना की राशि को बचाकर सिलाई मशीन खरीदी और सिलाई

कार्य शुरू किया। आज वे गांव में कपड़ों की सिलाई कर नियमित आय अर्जित कर रही हैं और अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का खर्च स्वयं उठा रही हैं। उनकी सफलता ने गांव की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी है। महतारी वंदन योजना का व्यापक प्रभाव प्रदेश के हर जिले में दिखाई दे रहा है। लगभग 69 लाख विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जा रही है और अब तक 25 किलोनों के माध्यम से 16 हजार 237 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के जरिये प्रदान की जा चुकी है। यह नियमित आर्थिक सहयोग महिलाओं के

जीवन में स्थिरता और आत्मविश्वास ला रहा है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह महिलाओं को केवल सहायता नहीं देती, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देती है। महिलाएं इस राशि से छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू कर रही हैं, बच्चों की पढ़ाई में निवेश कर रही हैं, खेती-किसानी को मजबूत बना रही हैं और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इससे परिवार, समाज और राज्य तीनों स्तरों पर सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। महिलाओं का कहना है कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब महतारी वंदन योजना ने उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीने की ताकत दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जीवन में नई उम्मीद और नया आत्मविश्वास लेकर आई है। आज महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण का मजबूत स्तंभ बन चुकी है। यह योजना केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी दे रही है। निश्चित रूप से महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए आत्मसम्मान, सशक्तिकरण और उज्वल भविष्य की नई सुबह साबित हो रही है, जो आने वाले समय में प्रदेश के समग्र विकास की मजबूत आधारशिला बनेगी।

कुदरगढ़ धाम के समग्र विकास हेतु सभी आवश्यक सुविधाएं की जाएंगी विकसित-विष्णुदेव

माँ कुदरगढ़ी धाम में पूजा अर्चना कर मुख्यमंत्री ने की प्रदेश के खुशहाली की कामना

85 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर शनिवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विकासखण्ड ओडुगी अंतर्गत प्रसिद्ध देवी धाम कुदरगढ़ पर्वतवासिनी माँ बागेश्वरी देवी की पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। माँ कुदरगढ़ी देवी मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन के उपरांत मुख्यमंत्री श्री साय ने जिलेवासियों को 185 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से 52 कार्यों का लोकार्पण एवं 24 कार्यों का भूमिपूजन कर विकास की बड़ी सौगात दी। इन कार्यों में सड़क, भवन, पेयजल, शिक्षा, जलाशय एवं नगरीय अधोसंरचना से जुड़े निर्माण शामिल हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जिले में रेडी टू ईट निर्माण कार्य के माध्यम से पोषण कार्यक्रम का संचालन बेहतर ढंग से किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बच्चों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने इस पहल को जिले के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री ने नवरात्रि पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि



माता कुदरगढ़ का आशीर्वाद सभी पर बना रहे और सभी के जीवन में सुख-समृद्धि एवं खुशहाली आए। उन्होंने विश्वास जताया कि माता के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि माता के आशीर्वाद से बस्तर क्षेत्र से नक्सलवाद समाप्त करने की दिशा में सरकार लगातार प्रयासरत है। साथ ही, कुदरगढ़ धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शीघ्र ही रोपवे का निर्माण कराया जाएगा, जिससे दर्शन करना और अधिक सुगम हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि क्षेत्र में डोम, बिजली सहित सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि कुदरगढ़ धाम का समग्र और सुव्यवस्थित विकास सुनिश्चित किया जा सके। विष्णु देव साय ने कहा कि जिले में रेडी टू ईट निर्माण कार्य के माध्यम से पोषण कार्यक्रम का संचालन बेहतर



ढंग से किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बच्चों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने इस पहल को जिले के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस दौरान कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व नई ऊर्जा और समृद्धि का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की उन्नति के लिए निरंतर कार्य कर रही है और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनकी आय बढ़ाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरगुजा ओलंपिक के आयोजन से इस क्षेत्र के खिलाड़ियों को खेल का नया अवसर मिला है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने नवरात्रि के अवसर पर माता रानी का आशीर्वाद सभी जिलेवासियों पर बना रहे, ऐसी कामना करते हुए कहा कि सरकार

को प्रशस्त पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और उनके कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों का यह प्रयास जिले में पोषण स्तर सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित पूरक पोषण आहार योजना के तहत हितग्राहियों को गुणवत्तापूर्ण पोषण उपलब्ध कराने के लिए जिले में रेडी टू ईट समूहों के माध्यम से सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जिले के सभी 2081 आंगनवाड़ी केंद्रों में समूहों के जरिए नियमित एवं व्यवस्थित रूप से पोषण आहार का वितरण किया जा रहा है।

सर्वसुविधायुक्त नवनिर्मित विश्रामगृह का लोकार्पण
मुख्यमंत्री ने कुदरगढ़ में सर्वसुविधायुक्त नवनिर्मित विश्रामगृह भवन का लोकार्पण किया। लगभग 3 करोड़ 9 लाख 60 हजार रुपये की लागत से निर्मित इस आधुनिक भवन में अतिथियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। इस विश्रामगृह में 2 वीआईपी सुट, 3 वीआईपी कमरे, डायनिंग एरिया, किचन, वेटिंग एरिया के साथ ही गैरज, गार्ड रूम, सर्वेंट क्वार्टर एवं वाहन शेड जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अतिरिक्त परिसर में 265 मीटर लंबा पट्टेदार मार्ग और 420 मीटर की बाउंड्रीवाल का भी निर्माण किया गया है।

मुख्यमंत्री ने जागरूकता रथों को दिखाई हरी झंडी

पोषण, सड़क सुरक्षा और नवीन आपराधिक कानून तीनों जन-जागरण अभियान



छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। माँ कुदरगढ़ी धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 05 जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सुपोषित छत्तीसगढ़ अभियान के तहत 03 पोषण रथ, 1 सड़क जागरूकता तथा 1 नवीन आपराधिक कानून जागरूकता रथ अब जिले से लेकर दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक पहुंचकर आमजन को जागरूक करेंगी। पोषण रथ कुपोषण के विरुद्ध जन आंदोलन को गति देगा और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं, बच्चों एवं किशोरियों को संतुलित आहार, स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति सचेत करेगा।

सड़क जागरूकता रथ यातायात नियमों के पालन, हेलमेट सीटबेल्ट के उपयोग एवं सुरक्षित वाहन चालन के संदेश गांव-गांव तक पहुंचाएगा। वहीं नवीन आपराधिक कानून जागरूकता रथ भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए कानूनों की जानकारी आमजन तक सरल भाषा में पहुंचाने का कार्य करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये जागरूकता रथ केवल वाहन नहीं, बल्कि जन-जागरण के दूत हैं। सुपोषित, सुरक्षित और कानून के प्रति सजग समाज के निर्माण में ये अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विश्व वानिकी दिवस पर शिव पार्क में हुआ पौधरोपण

छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। विश्व वानिकी दिवस पर यहां शिव पार्क में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वन परिक्षेत्र सूरजपुर एवं रामानुजगर के समस्त वन कर्मचारी उपस्थित रहे जिनके द्वारा पौधरोपण किया

गया। उपवनमंडल अधिकारी अशोक कुमार तिवारी ने विश्व वानिकी दिवस के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि सभी प्रकार के वनों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उनके संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करना है।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में आवास आवंटन व्यवस्था पर उठे सवाल आवास खाली न होने से कर्मचारियों में नाराजगी

छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। जिले के रामानुजगर स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में आवास आवंटन को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि कई कर्मचारी स्थानांतरण या अन्यत्र पदस्थापना के बाद भी आज तक सरकारी आवास खाली नहीं किया गया है। हेरानुकी की बात यह है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा इन्हें खाली कराने के लिए अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय कर्मचारियों का कहना है कि कॉलोनी की स्थिति अंधेरे नगरी चौपट राजाज्र जैसी बन गई है, जहां नियम-कायदे सिर्फ कागजों तक सीमित हैं। पूर्व में भी ऐसे कई



मामलों की जानकारी सामने आई थी, जिनमें कर्मचारियों पर लाखों रुपये की बकाया राशि वसूली लंबित है, लेकिन विभाग की ओर से कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। इस अव्यवस्था का सीधा असर वर्तमान में पदस्थ कर्मचारियों पर पड़ रहा है, जिन्हें आवास की सख्त आवश्यकता है, लेकिन कमरों पर दूरस्थ कर्मचारियों का कब्जा होने के कारण उन्हें सुविधा नहीं मिल पा रही है। कई कर्मचारी मजबूरी में निजी मकानों में रहने को विवश हैं और

अतिरिक्त आर्थिक बोझ झेल रहे हैं। कर्मचारियों के बीच इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि कुछ लोगों को इस व्यवस्था का अनुचित लाभ मिल रहा है, जबकि वास्तविक जरूरतमंद वंचित रह जा रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द आवास खाली कराकर पात्र कर्मचारियों को आवंटित किया जाए और बकाया राशि की वसूली भी सुनिश्चित की जाए। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। अब देखा होगा कि प्रशासन इस मामले में कब तक संज्ञान लेकर ठोस कार्रवाई करता है।

अटल डिजिटल केंद्रों से 2.78 लाख ट्रांजेक्शन, 84.23 करोड़ का लेनदेन

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। कोंडगांव जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं को सुलभ बनाने अटल डिजिटल केंद्र खोले गए हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गांव में संचालित इन केंद्रों के माध्यम से अब ग्रामीणों को बैंकिंग और शासकीय सेवाएं उनके घर के पास ही मिल रही हैं। इससे शहर जाने की जरूरत कम हुई है और समय के साथ खर्च की भी बचत हो रही है। अटल डिजिटल केंद्रों के जरिए ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाएं, बिजली बिल जमा, डीटीएच रिचार्ज, महतारी वंदन योजना की राशि आहरण, श्रम कार्ड से जुड़ी सेवाएं, डिजी-पे के माध्यम से शासकीय योजनाओं की राशि प्राप्त करना व वाहन व स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे ग्रामीण अब सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। जिले की 260 ग्राम पंचायतों में वीएलई के साथ एमओयू कर सेवाओं का विस्तार किया गया है।

सामाजिक सद्भाव बैठक में एकता और भाईचारे का दिया गया संदेश

छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले के रामानुजगर एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बड़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज में एकता, आपसी सहयोग और भाईचारे को मजबूत करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमरसिंह रहे, जबकि मातृशक्ति के रूप में श्रीमती शकुंतला पोर्ते की उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता नागेश नाथ योगी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज की उन्नति आपसी सद्भाव और सहयोग से ही संभव है। उन्होंने सभी वर्गों से भेदभाव मिटाकर एकजुट होकर समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में



उपस्थित वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत की संस्कृति विविधता में एकता की मिसाल है और इसी भावना को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। सामाजिक समरसता बनाए रखने के लिए सभी समाजों का परस्पर संवाद और सहयोग बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में संघ चालक बृजेश राजवाड़े, प्रदीप झा, बलदाऊ भैया, नन्दू यादव, राजेश साहू, यादवेन्द्र दुबे, योगेश साहू, निरिस्ता राजवाड़े, संत कुमार

साहू, शिवम दूबे, संजीव गुप्ता, मदन सारथी, रामरतन साहू, फूलसाय राजवाड़े, रोहित सिंह, बोरबल सिंह, मोतीलाल यादव, संत सिंह, नंदकेश्वर, बिरजा साहू सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया तथा समाज में शांति, सौहार्द और भाईचारे को बनाए रखने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ।

वनौषधि परंपरा के संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध-वन मंत्री

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप आज छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के नवनिर्भर उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए। यह कार्यक्रम राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर, जीरो प्वाइंट, रायपुर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, विधायक श्री किरण सिंह देव, विधायक श्री अनुज शर्मा और विधायक श्री इंद्रकुमार साहू अतिथिगत अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक वन संपदा से समृद्ध राज्य है, जहां लगभग 44.21 प्रतिशत क्षेत्र में वन हैं। यहां के वनों में विभिन्न प्रकार की वनौषधियां पाई जाती हैं, जिनका उपयोग प्राचीन काल से उपचार के लिए किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने और आमजन तक इसके लाभ पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2012 से 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन श्री अंजय शुक्ला द्वारा उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण करना एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके अनुभव से औषधि पादप बोर्ड को मजबूती मिलेगी और यह नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने की भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण की समीक्षा

ठेकेदारों को निर्माण कार्य 1 वर्ष में पूरा करने दिए निर्देश

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज भोरमदेव मंदिर परिसर में भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण से जुड़े विभागों और ठेकेदारों की मंथन समीक्षा बैठक ली। उन्होंने प्रोजेक्ट में मुख्य मंदिर परिसर का उन्नयन, सरोवर का सौंदर्यीकरण, मड़वा महल, छेक्री महल, रामचव्वा, सरोदा, पार्किंग में अब तक हुए कार्यों की प्रगति की गहनता से



जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता और समय सीमा पर पूर्णता इन दो पैमानों पर सभी कामों की मॉनिटरिंग होगी। इसके लिए जिला स्तर पर निगरानी समिति गठित की गई है। उन्होंने सभी ठेकेदारों से कहा कि 15-15 दिन में किए जाने वाले कार्यों की टाइमलाइन दें। निगरानी समिति को हर

सोमवार कार्यस्थल का मुआयना कर प्रगति की समीक्षा के निर्देश दिए। इस दौरान निर्माण कार्य में लगे सभी प्रोजेक्ट इंजांजर और इंजीनियर्स को अनिवार्य रूप से मौजूद रहने के लिए कहा। काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही होने पर कड़ी कार्रवाई की बात कही। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने समीक्षा के दौरान कहा कि मुख्य मंदिर परिसर में पेड़ों के इर्द गिर्द यहां दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बैठने के लिए चबूतरे बनवाये जाएं। मंदिर परिसर में जो भी प्रवेश

द्वार और खंभे बनने का रहे हैं उनमें 9%फनी नागवंशी% स्थापत्य की झलक दिखे, ऐसी संरचनाएं बनाई जाएं, लकड़ी के दरवाजों में इसी के अनुसार की नकाशी की जाए। मुख्य प्रवेश द्वार सहित सभी द्वार भव्य रूप से बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि सरोवर स्थल में पिचिंग और लाइनिंग का काम तकनीकी उत्कृष्टता के साथ किया जाए। उन्होंने सरोवर तट पर सीढ़ियां तथा उसके ऊपर शेड का निर्माण व्यवस्थित रूप से करने के लिए कहा ताकि श्रद्धालु यहां आराम से बैठ सकें।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बिना किसी चिन्ता के घर में मिल रही बिजली

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने जशपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई राह खोल दी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन जिले में किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। बगीचा विकासखंड के ग्राम चम्पा निवासी श्री कोइरा राम इसकी एक सशक्त उदाहरण हैं। उन्होंने अपने घर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 2 किलोवाट क्षमता



का सोलर पैनल स्थापित कराया है। श्री कोइरा राम बताते हैं कि सोलर पैनल लगने से पहले उन्हें हर महीने अधिक बिजली बिल चुकाना पड़ता था, जिससे घरेलू खर्च पर अतिरिक्त बोझ पड़ता था। लेकिन सोलर पैनल लगने के बाद उनका बिजली बिल शून्य हो गया है और अब वे बिना किसी चिन्ता के बिजली का उपयोग कर पा रहे हैं।

संपर्क करें
समाचार, ईशतहार, विज्ञापन
हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा
अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

सरगुजांचल में कई नामों से विराजमान हैं देवी, चैत्र नवरात्रि में धूम-धाम से होती है पूजा



छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। चैत्र मास देवी उपासना का पवित्र महीना है। चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से लेकर नवमी तक देवी पूजा की धूम रहती है। इस अवसर पर देवी के विभिन्न रूपों में पूजा सभी देवी मंदिरों में धूमधाम से की जाती है। सरगुजा के जनजातीय समुदाय के लोग भी मां भगवती की पूजा पारंपरिक ढंग से विभिन्न नामों से धूमधाम से करते हैं। आश्विन नवरात्रि मां दुर्गा पूजा

और चैत्र नवरात्रि रामनवमी पूजा के लिए प्रसिद्ध है। सरगुजा अंचल में विभिन्न तीज, त्योंहार पर्व, संस्कारों और सभी पावन अवसरों पर पारंपरिक लोकगीतों का गायन किया जाता है। चाहे वह पावन अवसर देवी पूजा ही क्यों ना हो। और चारों तरफ देवी सेवा गीत और जस गीत की धुन सुनाई देती है। सरगुजांचल में देवी भक्त शारदीय और चैत्र दोनों में मां भगवती की उपासना कहीं ज्वालामुखी

देवी, कहीं मां महामाया, कहीं कुदरगढ़ी देवी, कहीं खुड़िया रानी, कहीं रमपुरहिन दाई, कहीं गढ़वतिया देवी तो कहीं बड़की माई के नाम से पूजते हैं। श्रद्धालु भक्त नौ दिनों तक माता के नौ रूपों की पूजा और सेवा पारंपरिक सरगुजांचल लोक गीतों के साथ सच्चे मन से करते हैं, और मन चाहा वरदान पाते हैं। चैत्र रामनवमी के अवसर पर जवारा नर नौ दिनों में मां भगवती की उपासना कहीं ज्वालामुखी

ग्रामीण देवी का रूप धारण कर जवारा निकालते हैं। जिस व्यक्ति पर देवी सवार रहती है, वह अपने शरीर के विभिन्न अंगों में त्रिशूल का बाना धारण कर खम्पर पकड़ता है। किंदरा, डमफा, डोल जैसे विभिन्न पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ सेवा गीत गाते हुए घर-घर दर्शन देकर, देवी रोग, कष्ट दूर करने का आशीर्वाद देती हैं।

राज्यपाल से सम्मानित साहित्यकार ने किया शोध



राज्यपाल से पद्म लाल पुना लाल बख्शी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार अजय कुमार चतुर्वेदी ने सरगुजा अंचल के देवी स्थलों पर ग्रामीणों, पुजारी, बैगा, और स्थानीय लोगों से जानकारी लेकर शोध कार्य किया है। उन्होंने बताया कि सरगुजांचल में विभिन्न नामों से देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। अम्बिकापुर में सरगुजा राज परिवार की कुल देवी और सरगुजा अंचल की आराध्य देवी जगत जननी मां महामाया के नाम से, सूरजपुर जिले के देवीपुर में महामाया और ओड़गी तहसील के कुदरगढ़ी देवी और महोली गांव में गढ़वतिया देवी के नाम से पूजा होती है। प्रेमनगर विकासखण्ड के पंपापुर में महामाया और मंदिरों की नगरी प्रतापपुर में मां समलेश्वरी, मां महामाया और मां काली की पूजा होती है। रमकोला में ज्वालामुखी देवी नाम से देवी की पूजा-अर्चना होती है। शंकरगढ़ चलगली के महामाया मंदिर में 'बड़की माई' के नाम से पूजा जाती देवी हैं। मान्यता है कि यहां देवी मां का स्वरूप नगाड़े में विराजमान है, इसलिए मंदिर का पुजारी (बैगा) मां के खडग और नगाड़े की पूजा विधि-विधान से राजपरिवार के तत्कालीन उत्तराधिकारी से करावाता है।

सरगुजा अंचल की आराध्य देवी जगत जननी मां महामाया सरगुजांचल की आराध्य देवी अम्बिकापुर की जगत जननी मां महामाया हैं, जो शक्तिपीठ के रूप में विराजमान हैं। यहां कुछ दूरी पर मां समलेश्वरी विराजमान हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां से कोई भी श्रद्धालु भक्त खाली हाथ नहीं लौटता है। कालांतर में मां महामाया अम्बिका देवी के नाम से श्रीगढ़ की पहाड़ी पर पूजित थीं। यहां चैत्र नवरात्र में श्रद्धालु भक्तों का अपार जन सैबाव उमड़ता है। ब्रिटिश शासन काल में 16 अक्टूबर सन् 1905 ई. के बंगाल विभाजन के पहले तक सरगुजा बंगाल के छोटा नागपुर कमिश्नरी में शामिल था। यह छत्तीसगढ़ कमिश्नरी के 14 रियासतों में दूसरे नंबर का रियासत था। रियासत काल में सरगुजा की राजधानी प्रतापपुर को बनाई गई थी, जो महाराजा रघुनाथशरण सिंहदेव बहादुर के समय सरगुजा की राजधानी प्रतापपुर से वर्तमान अम्बिकापुर लाई गई। उस समय अम्बिकापुर को विश्रामपुर कहा जाता था। 16 अक्टूबर 1905 ई. को सरगुजा के मध्य प्रांत के प्रशासन के अधीन होने तक विश्रामपुर कहा जाता था। छत्तीसगढ़ नए सूबा में सरगुजा के शामिल होने के साथ ही विश्रामपुर का नाम अम्बिकापुर, अम्बिका देवी के नाम पर रखा गया। मान्यता है कि मां के दरबार से कोई भक्त खाली हाथ नहीं लौटता। माता प्रतापपुर विकासखंड के रमकोला में ज्वालामुखी देवी के नाम से, लखनपुर के जजगा गांव में रमपुरहिन दाई के नाम से और जसपुर जिले में खुड़िया रानी के नाम से देवी पूजा होती है।

चलगली के मां महामाया मंदिर में खडग और नगाड़े की होती है पूजा

मां महामाया सरगुजा संभाग मुख्यालय अम्बिकापुर से लगभग 60 किलोमीटर की दूरी पर चलगली महामाया मंदिर में राज परिवार की कुलदेवी और आदिवासी अंचल की आराध्य देवी के रूप में पूजित हैं। यहां प्रत्येक वर्ष क्वार नवरात्रि के अवसर पर पंचमी तिथि को शंकरगढ़ राजपरिवार के वर्तमान उत्तराधिकारी के द्वारा विशेष पूजा की जाती है। शंकरगढ़ राजपरिवार के वर्तमान उत्तराधिकारी अनुराग सिंह देव ने बताया कि यहां की महामाया हमारी कुलदेवी के रूप में पूजित हैं। इसलिए प्रत्येक क्वार नवरात्रि की पंचमी को हमारे परिवार के द्वारा विशेष पूजा और नौ कन्याओं को भोज कराया जाता है। प्रायः देखा जाता है कि देवी मंदिरों में किसी मूर्ति या प्रतिमा की पूजा होती है। किंतु चलगली के महामाया मंदिर में केवल मां के खडग और नगाड़े की पूजा होती है। इस संबंध में मान्यता प्रचलित है कि देवी मां का स्वरूप नगाड़े में विराजमान है, इसलिए नगाड़े और मां की खडग की विशेष पूजा होती है।

केन्द्रीय विवि बिलासपुर की पुस्तक में कुदरगढ़ी देवी की गौरव गाथा शामिल

सरगुजा अंचल की प्रसिद्ध देवी कुदरगढ़ी माता हैं। सूरजपुर जिला अन्तर्गत ओड़गी ब्लाक मुख्यालय से लगभग छह किलोमीटर की दूरी पर उत्तर पश्चिम में कुदरगढ़ पर्वत के सघन वनों के बीच शक्तिपीठ मां बागेश्वरी बाल रूप में कुदरगढ़ी देवी के नाम से विराजमान हैं। दोनों नवरात्रि में यहां नौ दिनों तक श्रद्धालु भक्तों का ताता लगा रहता है। शक्तिपीठ मां बागेश्वरी कुदरगढ़ी देवी के संबंध में एक जनश्रुति प्रचलित है कि वनवास काल में भगवान श्री राम, लक्ष्मण और माता सीता ने भी इस पर्वत पर मां वन देवी की पूजा अर्चना की थी। साहित्यकार अजय कुमार चतुर्वेदी ने शक्तिपीठ मां कुदरगढ़ी देवी की गौरव गाथा लिखी है, जो शक्तिपीठ पुस्तक में प्रकाशित है। इस पुस्तक के संपादक प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल, कुलपति केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर हैं।

नमाज पढ़कर देश में अमन और खुशहाली की मांगी दुआ, गले मिलकर दी ईद की बधाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। ईद-उल-फितर के मौके पर शनिवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जिले के विभिन्न इंदगाहों और मस्जिदों में अकोदत के साथ नमाज अदा की। नमाजियों ने मुल्क में अमन और खुशहाली की दुआ मांगी। इसके बाद घर-परिवार के बीच ईद की खुशियां मनाई। मीठी सेवई खाकर और गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।



मुस्लिम समाज के पवित्र माह रमजान में इस बार एक माह से अधिक समाज के लोग रोजा रखने के साथ ही इबादत में मशगूल रहे। शनिवार को सदर रोड स्थित जामा मस्जिद में सुबह 9.30 बजे, तक्रिया मजार स्थित मस्जिद में सुबह 8.30 बजे नमाज अता की गई। ईदगाह में नमाज पढ़ने के लिए अंजुमन कमेटी के द्वारा भव्य तैयारियां की गई थी। केन्द्रीय जेल में 130 बंदियों ने पूरे रमजान माह में रोजा रखा। शनिवार को सुबह 9.30 बजे से 10.30 बजे सभी ने ईद की दो रकत नमाज पेश इमाम के मौजूदगी में अता करके किए गए गुनाहों के लिए माफ़ी मांगी और भाईचारा, खुशहाली का पैगाम दिया। इस दौरान बंदियों के लिए जेल प्रबंधन की ओर से स्मेशल डाइट की व्यवस्था की गई थी। रमजान में तरावीह की नमाज के साथ ही दावते इफतार का आयोजन किया गया। समाज के लोगों द्वारा

दौरान नगर पालिक निगम के नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद, अंजुमन कमेटी के सदर इरफान सिद्दीकी, जावेद खान, रिजवान सिद्दीकी, परवेज आलम गांधी, अनिक खान, बंटी, सिकंदर खान, याकूब खान, गुलाम हैदर, जलील सिद्दीकी, शकील अंसारी, रेयाज अंसारी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। बच्चे, बुजुर्ग सभी ने गले मिलकर एक-दूसरे को ईद की बधाई दी।

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने दी ईद और नवरात्रि पर्व की बधाई ईद के मौके पर शहर के इंद्रवाटिका में हर वर्ष की भांति ईद मिलन का आयोजन निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद के द्वारा किया गया। ईद मिलन समारोह में सभी समाज के लोगों ने बड़-चढ़ कर हिस्सा लिया और एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी। समारोह में प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, पूर्व जिला अध्यक्ष कांग्रेस राकेश गुप्ता, अनूप मेहता, पार्षद हसन खान, मेराज गुड्डू, दीपक मिश्रा सहित काफी संख्या में गणमान्यजन शामिल हुए। सभी ने गले मिलकर एक-दूसरे को ईद व नवरात्रि पर्व की बधाई दी।

लखनपुर क्षेत्र में हर्षोल्लास मना ईद, जामा मस्जिद में इफतार का आयोजन



लखनपुर क्षेत्र में ईद का त्योंहार धूमधाम से मनाया गया। शनिवार को सुबह 9 बजे मुस्लिम समाज के लोग इंदगाह पहुंचे। जामा मस्जिद के इमाम खालीदुल कादरी ने ईद की नमाज अदा कराते हुए देश में अमन-चैन की दुआ मांगी। पवित्र महीना रमजान के आखिरी रोजे के दिन 20 मार्च, सुक्रवार को शाम लगभग 6 बजे जामा मस्जिद में इफतार का इंतजाम किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में समुदाय के लोग शामिल हुए। अंजुमन गौसिया कमेटी लखनपुर के द्वारा ईद की नमाज को लेकर इंदगाह में व्यापक इंतजाम किए गए थे, वहीं सुरक्षा के दृष्टि से पुलिस बल की मौजूदगी रही। मुस्लिम समुदाय के लोग नई पोशाक पहनकर 21 मार्च, शनिवार को ईद उल फितर की नमाज अदा किए और एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। दिन भर समाज के लोग एक-दूसरे के घरों में जाकर सिरनी के रूप में सेवई खाकर एक-दूसरे को बधाई दी। ईद के मौके पर मुस्लिम समुदाय के लोग जूनाडीह स्थित जामाशाह रहमतुल्लाह अलैह के दरगाह और पूर्वजों के कब्रिस्तान में जाकर फतेहा पढ़े। पवित्र माह रमजान के आखिरी जुमे को अलविदा की नमाज भी अदा की गई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में बड़े, बुजुर्ग व बच्चे उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्य रूप से अंजुमन गौसिया कमेटी के सदर हाजी इदरीश खान, नायब सदर हाजी इमदद खान, इब्रार खान, सेक्रेटरी नसरत अली, खजांची नूमान खान, पूर्व सदर हाजी कयामुद्दीन अंसारी, शराफत अली, हाजी इशहाक खान, शहाबुद्दीन खान, साबिर अंसारी, हाशिम खान, जानिसार अख्तर, हिसामुद्दीन खान, आसिफ नूर, जौहर अली, वसीम खान, शमशेर, सदाकत हुसैन सहित काफी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग उपस्थित रहे।

'एक पेड़ मां के नाम अभियान' के तहत पौधारोपण



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र परिसर में विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' के तहत राज्य के राजकीय वृक्ष 'साल' के पौधे का रोपण किया। इस दौरान कृषि मंत्री रामविचार नेताम, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद चिंतामणी महाराज, लुण्डा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोपों, नगर निगम महापौर मंजूषा भागत, पूर्व सांसद सरगुजा कमलभान सिंह मरावी, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, जिला पंचायत सदस्य एवं कृषि स्थायी समिति की अध्यक्ष दिव्या सिंह सिसोदिया, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष राम किशुन सिंह, निगम के सभापति हरमिंदर सिंह टिड्डी सहित जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्टॉलों का निरीक्षण, हितग्राही मूलक सामग्रियां वितरित

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। यहां 40 स्टॉल लगाए गए हैं, जिसमें 5 इंदिरा गांधी कृषि महाविद्यालय, 8 विभिन्न विभागों के व 27 स्टॉल विभिन्न निजी कम्पनियों के हैं। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितग्राहीमूलक सामग्रियों का वितरण किया। उन्होंने 03 हितग्राहियों जगजीवन राम, कलंदर राम, कृपाशंकर सिंह को मछली पालन विभाग अंतर्गत जाल एवं आइस बॉक्स वितरण किया। दो हितग्राहियों सुखराम कुजूर एवं उमेश्वर लाल राजवाड़े को ट्रैक्टर हेतु अनुदान राशि का चेक प्रदान किया। स्टॉलों में किसानों को शासन के विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई तथा कम्पनियों द्वारा मिलने वाले लाभों की जानकारी दी गई।

Since 2003 Based on CBSE Syllabus
Admission Nursery to 10th
Open 10th
Milestones School
English Medium
Add. : Behind Central Bank Gudri Chowk, Ambikapur Mob. 9826190902
Office Time : 10 AM to 2 PM